डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

PG-5

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

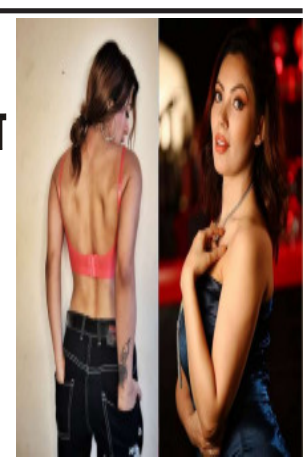

PG-5

सिनेमाः इस एक्ट्रेस ने पार की बोल्डनेस की सारी हदें

वर्ष -08 अंक -70 | प्रयागराज, शुक्रवार 20 मई, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ः किस हाल में आदर्श ग्राम योजना, गोद लेने के बाद भूले सांसद

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सांसद आदर्श ग्राम की स्थिति में कोई सुधार होता नहीं दिख रहा है। सांसदों ने जिन गांवों को गोद लिया है, वहां विकास के लिए धन का इंतजार किया जा रहा है। हाल यह है कि तीन वर्ष में सांसदों के एक भी गांव आदर्श नहीं बन पाए हैं। प्रदेश में भाजपा के नौ और कांग्रेस के दो लोकसभा सदस्य हैं, लेकिन अब तक आदर्श ग्राम को लेकर कोई भी सांसद अपनी उपलब्धि बताने की स्थिति में नहीं है। खानापूर्ति के लिए गांव को गोद तो ले लिया गया, लेकिन सांसद उस गांव में पिछले तीन वर्ष में तीन बार भी नहीं पहुंचे। दुर्ग जिला है सबसे आगेः पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पहले चार चरण में सांसदों ने 61 गांव का चयन किया था, जिसमें सिर्फ 20 गांव में प्रोजेक्ट पूरा हो पाया। चौंकाने वाला तथ्य यह है कि वर्तमान सांसदों के गोद लिए 16 में से सिर्फ एक गांव में प्लान पूरा हुआ है। पंचायत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सबसे ज्यादा दुर्ग जिले के गांवों को सांसदों ने गोद लिया है। दुर्ग के 13 गांव, कोरबा-बलौदाबाजार के सात गांव, रायपुर, बलरामपुर, जशपुर के छह, बिलासपुर के पांच, राजनांदगांव, बालोद, रायगढ़, कोंडागांव और गरियाबंद के चार, कोरिया, सूरजपुर, जांजगीर, धमतरी, मुंगेली, कांकेर और कवर्धा के तीन-तीन गांव को सांसदों ने गोद लिया है। योजना के लिए अलग से कोई धन आवंटन नहीं किया जाता है। सांसदों को सांसद निधि से ही इसका विकास करना होता है। नहीं हो रही नियमित समीक्षाः पंचायत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आदर्श ग्राम के विकास की नियमित समीक्षा भी नहीं हो पा रही है। सांसदों के चयनित 45 गांव की योजनाओं को वेबसाइट पर अपलोड ही नहीं किया गया है। पंचायत विभाग के अधिकारियों का यह भी कहना है कि ग्राम विकास की योजनाओं को पूरा करने में धन की कमी भी आड़े आ रही है। अन्य विकास योजनाओं के मद से भी आदर्श सांसद ग्राम योजना में गांवों के विकास के लिए धनराशि नहीं मिल पा रही है। कोरोना काल में रोकी गई सांसद निधि के कारण बीते दो वर्ष से काम सुस्त हुआ है।

दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह और पंजाब के सीएम भगवंत मान की मुलाकात, कई मुद्दों पर हुई बातचीत

नई दिल्ली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से दिल्ली में मुलाकात की। बैठक में भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड में पंजाब का

कोटा, बासमती की फसल समेत कई महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने बताया, 'भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड में पंजाब का कोटा दोबारा शुरू किया जाए, इस बारे में बात हुई। बासमती का को लेकर कोई नोटिफिकेशन नहीं है, इसलिए किसानों को नुकसान न हो, इस संबंध में बात हुई। मुख्यमंत्री ने कहा, 'हमने एंटी ड्रोन टेकनेलाजी की गुजारिश की। गृहमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए हम मिलकर काम करेंगे। इसके अलावा बासमती की फसल और में पंजाब का कोटा को लेकर चर्चा की गई।' उन्होंने कहा, 'कानून व्यवस्था को लेकर पटियाला में जो घटना हुई, इसपर विस्तार से बात हुई। पार्टी से ऊपर उठकर राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सहयोग किया जाएगा। पैरामिलिट्री फोर्स की 10 और कंपनी पंजाब भेजी जाएंगी, 10 कंपनी पहले भेजी जा चुकी हैं।' इसके लिए गुरुवार दोपहर को ही भगवंत मान गृह मंत्रालय पहुंच गए थे। गौरतलब है कि संयुक्त किसान मोर्चा ने अपनी मांगों को लेकर चंडीगढ़-मोहाली बैरियर के पास धरना दिया था। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बुधवार को मोहाली में प्रदर्शनकारी किसानों से भी मुलाकात की थी। मुलाकात के दौरान किसानों को गृह मंत्री से मुलाकात कर कई मुद्दों पर चर्चा का आश्वासन दिया गया था। 8 मार्च को तत्कालीन कांग्रेस के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चनने ने भी केंद्रीय गृहमंत्री से मुलाकात की थी और पंजाब के बाहर से अधिकारियों को ँशए में नियुक्त करने के केंद्र के फैसले पर पुनर्विचार को कहा था। फरवरी में केंद्र ने नोटिफिकेशन जारी किया था जिसमें ँशए के प्रावधानों को संशोधित करने का आदेश दिया था। बता दें कि ये प्रावधान में दो मुख्य अधिकारियों की नियुक्ति के लिए निर्धारित चयन प्रक्रिया को लेकर थे। इसके अनुसार पावर व खेती के लिए दो सदस्यों की नियुक्ति में पंजाब व हरियाणा से ही योग्य उम्मीदवारों का चयन होना था।

तो इसलिए है इमरजेंसी चिकित्सा सेवा को बेहतर करने की जरूरत

नई दिल्ली। भारत की विशाल जनसंख्या के लिए बेहतर व आर्थिक रूप से वहन करने योग्य स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना अत्यंत दुरूह कार्य सरीखा है।

आयुष्मान भारत व स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण के साथ भारत बीते सात-आठ वर्ष में इस क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ा है। चिकित्सा क्षेत्र में आपातकालीन सेवाओं को बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है क्योंकि यही वह सेवा होती है जहां किसी मरीज का जान बचाने या गंभीर दिव्यांगता से बचाने का उपक्रम सबसे पहले होता है। भारत सरकार ने बुधवार को इसी सेवा को मजबूत करने के लिए नेशनल लाइफ सपोर्टस कोर्सेज यानी एनएलएससी का शुभारंभ किया है। आइए समझे आपातकालीन चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में भारत की क्या स्थिति है और कैसे इसमें सुधार हो सकता हैः भारत में आपातकालीन चिकित्सा सेवा के बेहतर होने का सिलसिला असमान रहा है। कुछ राज्यों ने इस क्षेत्र में अच्छा काम किया है जबकि कुछ अभी शैशवकाल में ही हैं इसका मुख्य कारण चिकित्सा सेवा का प्री-हास्पिटल सेवा से लेकर अस्पताल के भीतर होने वाले उपचार में बंटा होना है इसके अलावा आपातकालीन सेवा क्षेत्र में प्रशिक्षित स्टाफ की कमी, नियमन और वित्त की कमी भी बड़े कारण हैं। आपात चिकित्सा क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए अलग से अकादमिक कोर्स की कमी भी एक अहम कारक है।भारत में कुल मौतों में सड़क दुर्घटना के कारण होने वाली मौतों की संख्या काफी अधिक है। देश में होने वाली कुल मौतों में से 62 प्रतिशत गैर संक्रमणीय बीमारियों के कारण होती हैं जबकि संक्रमणीय बीमारियों, मातृत्व व नवजात के मामले में 27 प्रतिशत मौतें होती हैं। दक्षिण एशियाई देशों में दिव्यांगता के कारण जीवन प्रभावित होने के 84 प्रतिशत से अधिक मामले इमरजेंसी और ट्रामा की स्थितियों के कारण होते हैं। इसमें देश में 34 स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों की रियल टाइम चेकिंग की गई जिसमें 300 बेड से अधिक वाले 15 जिला अस्पताल और 300 बेड से कम वाले 19 जिला अस्पतालों को शामिल किया गया।किसी स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में आने वाले कुल मरीजों में 16 प्रतिशत इमरजेंसी या चोट के मामलों वाले होते हैं। अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या का 19 से 36 प्रतिशत तक इमरजेंसी या चोट वाले मरीज होते हैं। किसी भी दिन अस्पताल के वाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) में आने वाले कुल मरीजों में करीब 12 प्रतिशत इमरजेंसी मामले होते हैं।

नेता छोड़ रहे कांग्रेस का हाथ एक बार फिर विदेश दौरे पर राहुल गांधी

नई दिल्ली। गुजरात में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले नेता लगातार कांग्रेस पार्टी छोड़ रहे हैं। इसी बीच कांग्रेस पार्टी पर गहराते राजनीतिक संकट के बीच राहुल गांधी गुरुवार को 'भारत के लिए विचारों' को संबोधित करने के लिए लंदन के लिए रवाना हो गए हैं।

जानकारी के अनुसार, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी 'आइडियाज फार इंडिया' सम्मेलन में शिरकत करेंगे। कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख और महासचिव रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि वह देश के वर्तमान और भविष्य के बारे में प्रवासी भारतीयों से भी बातचीत करेंगे। 23 मई को राहुल गांधी कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में ठ75 पर भारतः एक लचीला-आधुनिक भारत के लिए चुनौतियां और आगे का रास्ताठ विषय पर संबोधित करेंगे और वहां मौजूद लोगों से बातचीत करेंगे। लंदन में शुक्रवार को 'आइडियाज फार इंडिया' कार्यक्रम होना है। राहुल गांधी गुरुवार शाम लंदन पहुंचेंगे। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद और प्रियांक खड़गे भी लंदन में हैं। विशेष रूप से महामारी के बाद यात्रा सामान्य होने के बाद राहुल गांधी के लिए यह पहला ऐसा विदेशी कार्यक्रम होगा। राहुल गांधी ऐसे समय में लंदन के लिए रवाना हुए हैं। जब कांग्रेस प्रमुख राज्यों के पार्टी नेताओं के पलायन से जूझ रही है। हार्दिक पटेल ने ऐसे समय में कांग्रेस छोड़ी है, जब भारतीय जनता पार्टी गुजरात विधानसभा चुनाव की तैयारी में पूरी तरह से जुट गई है। इससे पहले कांग्रेस की पंजाब इकाई के पूर्व प्रमुख सुनील जाखड़ ने पार्टी छोड़ दी थी। वहीं, कांग्रेस ने चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर के साथ मैराथन चर्चा की थी। उन्होंने पार्टी की एक समिति में शामिल होने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया। इसके बाद कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले संगठन को मजबूत करने के लिए रोडमैप सहित पार्टी के सामने आने वाली चुनौतियों पर विचार-मंथन करने के लिए राजस्थान के उदयपुर में एक चिंतन शिविर आयोजित किया था।

असम कैबिनेट का अहम फैसला सिलचर और गुवाहाटी के बीच शुरू होगी इमरजेंसी उड़ान सेवा

नई दिल्ली। असम में बाढ़ पीडितों को राहत देने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने यह अहम फैसला लिया है। असम कैबिनेट ने सिलचर और गुवाहाटी के बीच आपातकालीन उड़ान सेवा शुरू करने का फैसला किया है। सरकार ने दीमा हसाओ और बराक घाटी में बाढ़ और भूस्खलन के कारण संचार संकट को कम करने के लिए यह कदम

उठाया है। सिलचर और गुवाहाटी के बीच शुरू की गई आपातकालीन उड़ान के लिए तीन हजार रुपये का शुल्क देय होगा। अब तक राज्य के 29 जिलों में कुल 7,17,046 लोग प्रभावित हो चुके हैं। बाढ़ और भूस्खलन के कारण बराक घाटी के राज्य के अन्य हिस्सों से कट जाने के बाद वहां फंसे यात्रियों को निकालने के लिए क्षेत्रीय कंपनी फ्लाईबिग एयरलाइन के साथ असम की सरकार एक समझौते पर हस्ताक्षर कर चुकी है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस बात की जानकारी बुधवार को दी थी। उन्होंने बताया था कि सिलचर और गुवाहाटी के बीच 3,000 रुपये प्रति टिकट की निश्चित दर पर विशेष उड़ानें चलाने के लिए विमानन कंपनी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ है। उन्होंने यह भी बताया, 'अगले 10 दिनों के लिए वो ही इन उड़ानों का संचालन करेंगे और हमें उम्मीद है कि हर रोज 70-100 फंसे यात्री इस सेवा का लाभ उठाएंगे। विमानन कंपनी को सब्सिडी के रूप में सरकार अतिरिक्त लागत वहन करेगी।' असम में भारी बारिश के चलते कई इलाकों में भूस्खलन भी हुआ है। न्यू कुंजंग, फियांगपुई, मौलहोई, नामजुरंग, दक्षिण बगेतार, महादेव टीला, कालीबाड़ी, उत्तरी बगेतर, सिय्योन और लोदी पंगमौल गांवों से भूस्खलन की खबर है। राहत और बचाव कार्य के लिए सेना, अर्धसैनिक बलों, अग्निशमन और आपातकालीन सेवाओं, एसडीआरएफ, नागरिक प्रशासन और प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को तैनात किया है। कछार जिला प्रशासन और असम राइफल्स के बीच एक संयुक्त उद्यम ने बाराखला इलाके में बाढ़ पीडि.तों को बचाया और उन्हें राहत शिविरों में भेजा है।

पीएम मोदी ने गुजरात में 'युवा शिविर' को किया संबोधित

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी (झ्रिस श्हग़्री ग्नेर्ह्ट श्द्) ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से वडोदरा के करेलीबाग में आयोजित युवा शिविर में हिस्सा लिया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि हमारे संतों और हमारे शास्त्रों ने हमें सिखाया है कि किसी भी समाज का निर्माण, समाज की हर पीढ़ी में निरंतर चरित्र निर्माण से होता है। उसकी सभ्यता, परंपरा, उसके आचार-विचार-व्यवहार एक प्रकार से हमारी सांस्कृतिक विरासत की संवृद्धि से होता है। पीएम मोदी ने युवा शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि मेरे युवा साथी जब इस शिविर से जाएंगे तो वो अपने भीतर एक नई ऊर्जा महसूस करेंगे, एक नई स्पष्टता और नव चेतना का संचार अनुभव करेंगे। मैं आप सभी को इस नव आरंभ, नव प्रस्थान, नव संकल्प के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने आगे कहा कि ये आयोजन ऐसे समय में हो रहा है जब देश अपनी आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। आज हम नए भारत के निर्माण के लिए सामूहिक संकल्प ले रहे हैं, प्रयास कर रहे हैं। एक ऐसा नया भारत, जिसकी पहचान नई हो, दूरंदेशी हो और परम्पराएं प्राचीन हों। पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना काल के संकट के बीच दुनिया को वैक्सीन और दवाइयां पहुंचाने से लेकर बिखरी हुई सप्लाई चेन के बीच आत्मनिर्भर भारत की उम्मीद तक वैश्विक अशांति और संघर्षों के बीच शांति के लिए एक सामर्थ्यवान राष्ट्र की भूमिका तक भारत आज दुनिया की नई उम्मीद है। ऐसा नया भारत, जो नई सोच और सदियों पुरानी संस्कृति दोनों को एक साथ लेकर आगे बढ़े और पूरे मानवजात को दिशा दे। जहां चुनौतियां होती है वहां भारत उम्मीद से भरी संभावनाएं लेकर प्रस्तुत हो रहा है और जहां समस्याएं हैं और वहां भारत समाधान पेश कर रहा है। पीएम मोदी ने युवा शिविर में कहा कि आज देश में सरकार के कामकाज का तरीका बदला है, समाज की सोच बदली है और सबसे खुशी की बात है कि जन भागीदारी बढ़ी है। जो लक्ष्य भारत के लिए असंभव माने जाते थे, आज दुनिया भी देख रही है कि भारत ऐसे क्षेत्रों में कितना बेहतर कर रहा है।

कार्ति चिंदबरम के सहयोगी भास्कर रमन को ने विशेष अदालत में किया पेश

नई दिल्ली।पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री पी चिदंबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम के करीबी व सहयोगी एस. भास्कर रमन को केंद्रीय जांच एजेंसी (सीबीआइ) ने गुरुवार को दिल्ली की एक विशेष

अदालत में पेश किया। यहां से उसे चार दिन की सीबीआई रिमांड पर भेज दिया गया। इससे पहले भास्कर रमन को चेनन्ई की एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया था, जहां से उसे एक दिन के ट्रांजिट रिमांड पर भेजा गया था। भास्कर रमन को ण्प्हो में 18 मई को गिरफ्तार किया गया था। यह मामले में पहली गिरफ्तारी है। मंगलवार को सीबीआइ ने चिदंबरम के देशभर में करीब सात ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस छापेमारी के बाद चिदंबरम ने ट्वीट किया था कि जांच एजेंसी को इस दौरान कुछ नहीं मिला। उन्होंने ये भी लिखा था कि सीबीआइ ने इस दौरान जो पेपर दिखाए उसमें उनका नाम बतौर आरोपी शामिल नहीं था। मामला पैसे लेकर वीजा दिलाने से जुड़ा हुआ है। इसमें पी चिदंबरम के बेटे कार्ति चिदंबरम भी फंसे हुए हैं। सीबीआइ ने इस मामले में जो एफआइआर दर्ज की है उसके अनुसार ये मामला 2011 का है। उस वक?त पी चिदंबरम गृह मंत्री थे। एक चीनी कंपनी शानडोंग इलेक्ट्रिक पावर कंस्ट्रक्शन कारपोरेशन (सेप्को) को पंजाब के मनसा में पावर प्लांट बनाने का ठेका तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (टीएसपीएल) से मिला था।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव कल सभी राज्यों के साथ करेंगे समीक्षा बैठक, वैक्सीनेशन की स्थिति का लेंगे जायजा

नई दिल्ली। देश में कोविड रोधी टीकाकरण का काम तेजी से किया जा रहा है। देश में वैक्सीन की अब तक 190 करोड़ से ज्यादा खुराक दी जा चुकी है। टीकाकरण को लेकर केंद्र सरकार लगातार नजर बनाए हुए हैं। इसी बीच, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ शुक्रवार को कोविड 19 टीकाकरण कार्यक्रम को लेकर समीक्षा बैठक करेंगे। सूत्रों के हवाले से यह जानकारी सामने आयी है। कोविन वेबसाइट के मुताबिक देश में अब तक 191 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन की डोज लग चुकी हैं। इनमें से 100 करोड़ से ज्यादा लोगों को पहली डोज जबकि करीब 88 करोड़ दूसरी खुराक दी जा चुकी है। वहीं, तीन करोड़ से ज्यादा लोगों को प्रीकाशन डोज दी जा चुकी है। उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा वैक्सीनेशन हुआ है। यहां अब तक 32 करोड़ 23 लाख से अधिक लोगों को वैक्सीन की डोज लग चुकी है। इसमें पहली डोज लेने वालों की संख्या 17 करोड़ से अधिक, दूसरी डोज लेने वालों की संख्या 14 करोड़ 59 लाख से अधिक और प्रीकॉशन डोज लेने वालों की संख्या 29 लाख से अधिक है। दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र है, जहां अब तक 16 करोड़ 62 लाख से अधिक लोगों का वैक्सीनेशन हुआ है। इसमें पहली डोज लेने वाले 9 करोड़ चार लाख से अधिक, दूसरी डोज लेने वाले सात करोड़ 31 लाख से अधिक और प्रीकॉशन डोज लेने वालों की संख्या 25 लाख 75 हजार से अधिक है। गौरतलब है कि गुरुवार को देश में 2,364 नए मामले दर्ज किए गए। इस दौरान 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में छह केरल, एक-एक आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश के हैं। वहीं एक्टिव केस घटकर अब 15,419 हो गए हैं। पॉजिटिविटी रेट 0.50 है। देश में अब तक कोरोना के कुल 4,31,29,563 सामने आ चुके हैं। अब तक कुल 4,25,89,841 मरीजों ने कोरोना को मात दी है।

बुद्ध पूर्णिमा पर हुई कवि गोष्ठी, दिया मानवता का संदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)

जौनपुर। बेलौना कला,बरसठी, जौनपुर में बुद्ध पूर्णिमा के उपलक्षय में प्राथमिक शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष एवं कवि अरुण यादव 'प्रयास' के संयोजन में एक कवि-गोष्ठी सम्पन्न हुई जिसमें कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से मानवता का संदेश दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि उमाशंकर सिंह 'मधुकर' एवं संचालन ओज कवि संदीप कुमार बालाजी ने किया। गोष्ठी में प्रयाग के लोकभाषा के कवि राम लोचन साँवरिया मुख्य अतिथि और वरिष्ठ गजलकार नरेंद्र बहादुर सिंह पंकज विशिष्ट अतिथि रहे।कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना के बाद संगम परिवार के उपाध्यक्ष योगेंद्र प्रताप श्रीवास्तव के वक्तव्य से हुई। उन्होंने कविता को समाज एवं राष्ट्र के लिए बहुत ही उपयोगी बताया।गंगाधर मिश्र बेखबर, राजेंद्र बहादुर सिंह बेअदब, राम सागर सरस, ब्रह्म देव शुक्ला मधुप,गीतकार अरुण यादव प्रयास,गज़लकार अजय विश्वकर्मा शान,रमाशंकर यादव आदि का काव्य पाठ हुआ। कार्यक्रम में सामाजिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक गतिविधियों पर भी विचार किया गया।गोष्ठी में रमाशंकर यादव, डॉ0सुरेंद्र यादव ,के0पी0 यादव,राय साहब यादव आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन स्वामी रामदास किंकर महाराज के आभार ज्ञापन के बाद ही हुआ।

मदर टेरेसा फाउंडेशन द्वारा लगाए गए प्याऊ जल

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। तपती गर्मी को देखते हुये मदर टेरेसा फाउन्डेशन जगह जगह शहर मे पानी का मटका रख रही है जिससे कोई प्यासा ना रह पाये मदर टेरेसा फाउंडेशन के नगर महासचिव व समाजसेवी गुफरान खान,समाजसेवीका निशा मिश्रा द्वारा आज शिव मंदिर कर्नलगंज पर पानी का मटका रक्खा और आने जाने वाले राहगीरों को पानी पिलाया समाजसेवी गुफरान खान व निशा मिश्रा ने कहा कि प्यासे लोगों को पानी पिलाना सबसे बड़ा सवाब का काम है,दो मटका हनुमान मंदिर बंधवा संगम पर रखवाया गया?,दो मटका चौदह पीर दरगाह पर रखवाया गया और वहीं के लोगो से मटके में पानी और साफ सफाई के लिये कहा गया। गुफरान खान,निशा मिश्रा, मोहम्मद अस्करी अवधेश निषाद ,मनसूर आलम, जायका आदि उपस्थित थे और इनका संहयोग था।

हाईकोर्ट के जज के भतीजे की सगाई में 5 लाख की चोरी करने वाले गिरफ्ता

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलाश गुप्ता

प्रयागराज । शहर के नामी कान्हा श्याम होटल से हाईकोर्ट के जज के भतीजे की सगाई में 5 लाख रुपए के हीरों का हार और नक़दी चोरी करने वाले गैंग का पर्दाफ़ाश कर पुलिस ने मंगलवार को 5 चोरों को गिरफ्तार किय पुलिस के अनुसार अंतर्राज्यीय कुख्यात लुटेरे व चोरों का नौ सदस्यीय गिरोह ङ्घजैकी गैंगङ्क के नाम से जाना जाता है। इसके सदस्य मूलतः, मध्य प्रदेश के राजगढ़ जि.ले के रहने वाले है। कुछ बदमाश प्रयागराज के भी पाए गए। जिनसे इनकी सांठ-गांठ है और जो इनके लिए रेक़ी करते हैं और शरण देते है। इनका एक संगठित गिरोह है, जो एमपी के साथ ही राजस्थान, यूपी में ताबड़तोड़ घटनाएँ कर एक स्थान से दूसरे स्थान को निकल जाता है। यह जिस शहर में घटना करते हैं, वहीं किराए का रूम लेकर रहते हैं। आरोपियों को मुखबिर की सूचना पर परेड मैदान से पकड़ा गया। इनकी पहचान रामगढ़, एमपी निवासी जैकी कुमार, कुणाल कुमार, संतोष कुमार, कोहिनूर और नैनी निवासी रामू पटेल के रूप में हुई है। यह गैंग पहले गेस्ट हाउस की रेक़ी करता और फिर शादी के दिन अच्छे कपड़े पहन कर चोरी करता था। जज के भतीजे की शादी में भी उन्होंने यही तरीक़ा अपनाया था। 12 मई को कान्हा श्याम श्याम में सगाई समारोह में इसके सदस्य आल्टो कार में मेहमान बनकर गए थे। इन्होंने सबके सामने होने वाली दुल्हन के पीछे रखे बैग पर हाथ साफ़ कर दिया था। उसमें 5 लाख रुपए के गहने, नक़दी और ऐप्पल आई फ़ोन थे। जज के रिश्तेदार का मामला होने के कारण पुलिस ने ताबड़तोड़ दबिश दी और पांच दिन के अंदर ही लूटेरों के गैंग को पकड़ कर उनसे लूट का सामान भी बरामद कर लिय होटल में घटित इस सनसनीख़ेज़ घटना से संबंधित क़ीमती ज़ेवर, ऐप्पल कम्पनी का आई फ़ोन और हज़ारों की नक़दी बरामद की गयी है। घटना में बदमाशों द्वारा इस्तेमाल की गयी आल्टो कार और कई मोबाइल फ़ोन भी बरामद किए गए हैं एसएसपी ने गिरोह का पर्दाफ़ाश करने वाली टीम को 25 हजार नक़द ईनाम देने का एलान किया।उच्चाधिकारियों द्वारा भी ईनाम की घोषणा की गयी है।

जनपद में सर्वेक्षण एवं अभिलेख संक्रिया का होगा कार्य-डीएम

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी/जिला अभिलेख अधिकारी डा0 नितिन बंसल ने बताया कि राजस्व संहिता की धारा 43 के अनुसार भारत सरकार की स्वामित्व योजना अन्तर्गत जनपद में सर्वेक्षण एवं अभिलेख संक्रिया का कार्य होगा। इसके अन्तर्गत पूर्व में अधिसूचित 1628 ग्रामों को छोड़कर अवशेष 640 ग्रामों में सर्वेक्षण एवं अभिलेख संक्रिया का कार्य किया जायेगा। उन्होंने बताया है कि तहसील सदर के 152 ग्राम, तहसील कुण्डा के 273 ग्राम, तहसील पट्टी के 42 ग्राम, तहसील लालगंज के 135 ग्राम एवं तहसील रानीगंज के 38 ग्रामों में ग्रामीण आबादी सर्वेक्षण एवं अभिलेख संक्रिया का कार्य किया जायेगा। उन्होने बताया है कि स्वामित्व योजना के अन्तर्गत सर्वेक्षण एवं अभिलेख संक्रिया के कार्य हेतु 640 ग्रामों की सूची सम्बन्धित तहसील के नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गयी है।

चार पहिया वाहन की टक्कर से पिता व पुत्री की दर्दनाक मौत

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। फूलपुर के वरुणा बाजार के उग्रसेनपुर मार्ग पर नेदुला गांव के सामने चार पहिया वाहन एसयूवी 100 ने विक्की सवार पिता पुत्री को रौद दिया। जिनकी मौके पर की मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार कसरावे मय चक औलिया गांव निवासी मौजी लाल पटेल उम्र 55 वर्ष पुत्र राजाराम अपनी बेटी साधना उम्र 27 वर्ष पतनी संजीव पटेल निवासी करुआडीह प्रतापपुर के साथ अपने विक्की से खानपुर डांडी गांव शादी में जा रहे थे। तभी 11 बजे के आसपास उग्रसेनपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार एसयूवी 100 वाहन ने विक्की में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे पिता पुत्री ने दम तोड़ दिया। इस बीच चार पहिया वाहन चालक वाहन सहित फरार हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने फूलपुर थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय को सूचना दी। थाना अध्यक्ष फूलपुर तत्काल मौके पर मय हमराह पहुंचे और दोनों शवों को कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेज दिया। मृतक मौजी लाल पटेल खेती किसानी का काम करते थे। इनके दो पुत्र दो पुत्री जिसमें 1 पुत्र एक पुत्री विवाहित बताए गए हैं। सूचना गांव में पहुंची?। तो ग्रामीण भाग कर मौके पर पहुंचे। मौजी लाल के घर पर ग्रामीणों की भीड़ लग गई। घर परिवार के लोगों का रो रो कर बुरा हाल है। एक साथ दो दो घरों में मातम छाया है ।

थाने के सामने से फर्राटा भर रहे ओवर लोड ट्रैक्टर ट्राली

(आधुनिक समाचार सेवा)
राकेश कुमार

प्रयागराज। सं सू बारा, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अवैध खनन और ओवरलोड सामग्री के परिवहन पर रोक के बावजूद बारा क्षेत्र में ओवर लोड ट्रैक्टर ट्राली का संचालन जारी है। खनन माफिया बारा थाना अंतर्गत छीड़ी ,परवेजाबाद, से अवैध खनन करके धड़ल्ले से ठीकेदारों के माध्यम से सिलिका सेंड व गिट्टी थाना और तहसील मुख्यालय के सामने से ओवरलोड ट्रैक्टर ट्राली से दूर दूर तक ले कर जाते हैं।जिससे आय दिन घटनाएं होती रहती है।सोचने वाली बात यह है कि उप जिला अधिकारी एवं क्षेत्राधिकारी कार्यालय होने बावजूद खनन माफिया के अंदर भय नही है क्योंकि अधिकारी अनजान हैं। क्षेत्र में यह चर्चा का विषय है।जबकि क्षेत्राधिकारी 12 विमल किशोर मिश्रा का कहना है कि इस पर रोक लगाई जाएगी अगर अवैध खनन करते है तो और ओवरलोड परिवहन करने वाले लोगों के ऊपर कार्रवाई की जाएगी संवाददाता राकेश मिश्रा आधुनिक समाचार बारा।

प्रयागराज के किसानों ने भी क्यों छोड टिकैत का साथ

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक के शीर्ष नेताओं के गलत फैसले के कारण आज जनपद प्रयागराज से टिकैत संगठन खत्म होता नजर आ रहा है। इसकी मुख्य वजह सामने निकल कर आई है कि जनपद प्रयागराज में संगठन को विस्तार देने वाले एवं किसानों की आवाज बुलंद करके उनके हक दिलाने वाले किसान नेता व अधिवक्ता उच्च न्यायालय प्रयागराज वीर सिंह व बब्लू दूबे के कडी॰ मेहनत व प्रयासों के दम पर किसानों को न्याय दिलाने के कारण लोग संगठन से जुड़ते गये और नतीजा ये आया कि जनपद प्रयागराज भी अपने आप में एक किसानों का गढ़ माना जाने लगा। जिसमें लोग बडी॰ तादात में जुड़ते चले गये क्यों कि उन्हें न्याय मिलता रहा। उक्त किसान नेताओं की कड़ी मेहनत का फायदा उठाने के लिए नये लोग संगठन से जुड़े और अपने पैसे व जान पहचान के दम पर बडी॰ बडी॰ पद लेकर बैठ गये। जिनको जुड़े संगठन से एक वर्ष भी नहीं हुआ उनको बडी॰ पद देने से टिकैत संगठन का अच्छा खासा नुकसान हुआ है। जी हाँ अच्छा खासा नुकसान इस लिए कह रहें हैं कि पच्चीस तीस साल से जुड़े किसान नेता बब्लू दूबे व शनि शुक्ल अपने हजारों साथियों के साथ भारतीय किसान यूनियन भानू का हांथ थाम लिये। सिर्फ एक गलत फैसला लेने के कारण। गलत फैसला ये है कि प्रयागराज का युवा जिला उपाध्यक्ष का पद अनुराग यादव को दे दिया गया। जब कि उक्त ब्यक्ति को जुड़े जुमा जुमा आठ ही दिन हुए थे। जिसका बब्लू दूबे व शनि शुक्ल ने पुरजोर विरोध किया इसके बावजूद शीर्ष नेताओं ने मामले को नजर अंदाज कर दिया। सिर्फ जिला अध्यक्ष से बने युवा प्रदेश अध्यक्ष अनुज कुमार सिंह जो अपनी मनमानी दिखाते हुए नवागंतुक अनुराग यादव को ही जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया। किसान नेता बब्लू दूबे ने कहाँ कि पुराने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं की जरूरत टिकैत संगठन में अब नही रहा। जिसके कारण नजर अंदाज किया गया और हमारी बातों को गम्भीरता से नही लिया गया। बहुत संघर्ष किया हूँ। जो संघर्ष किये बगैर पद पा गए हैं।

थाना प्रभारी समेत कुल 05 पुलिसकर्मियों को किया गया निलम्बित

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। थाना प्रभारी नैनी निरीक्षक कुशलपाल सिंह, 02 दारोगा- आशीष यादव, यश करन यादव, 02 बीट आरक्षी अजीत प्रजापति एवं मिश्री लाल पर को और ना ही बीट आरक्षियों को कोई भनक लग सकी। अतः कार्यों में घोर लापरवाही और उदासीनता बरतने पर सभी को निलंबित किया गया। सभी के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही शुरू निलम्बन की कार्यवाही। अंतर्राज्यीय लुटेरा / चोर जैकी गैंग के कुख्यात सदस्य थाना नैनी क्षेत्र के चक रघुनाथ क्षेत्र में पिछले क़रीब 10 माह से कुख्यात अपराधी पंकज सिंह के घर में किराए के मकान में रह रहे थे, परन्तु ना तो थाना प्रभारी को, ना ही आस पास के चौकी प्रभारियों कर दी गई है। 1.) सरकारी कार्यो में जान बूझकर लापरवाही करने वाले, 2.) जनता से ख़राब व्यवहार करने वाले, 3.) भ्रष्टाचारी, कदाचारी, अपराधियों, दबंगों, जुआरियों, सट्टेबाज़ों तथा दलालों से साठ-गाँठ रखने वाले पुलिसकर्मियों को किसी भी सूरत में क़तई बख़्शा नहीं जाएगा।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 30 मई 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

सांसद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी की अध्यक्षता एवं सांसद फूलपुर एवं भदोही की उपस्थिति में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक सम्पन्न

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को तकनीकी कार्य, उन्नत खेती, आधुनिक परिधानों को बनाने सहित अन्य कार्यक्रमों का प्रशिक्षण देकर उन्हें बनायें स्वावलम्बी

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज । सांसद प्रो0 रीता बहुगुणा जोशी की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक मंगलवार को संगम सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में सांसद केशरी देवी पटेल(सह अध्यक्ष) एवं भदोही सांसद रमेश चन्द्र बिंद(सह अध्यक्ष) उपस्थित रहे। सांसदगणों द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, वृद्धा पेंशन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी एवं ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन शहरी एवं ग्रामीण, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल योजना, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, डिजिटल भूअभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम, सामुदायिक विवाह योजना, दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सर्वशिक्षा अभियान सहित अन्य बिंदुओं पर विस्तार से समीक्षा की। मनरेगा के तहत इच्छुक परिवार जो कार्य करना चाहते है, उन्हें योजना से जोड़कर लाभान्वित करें। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को तकनीकी कार्य, उनन्त खेती, आधुनिक परिधानों को बनाने का प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलम्बी बनाया जाये, जिससे उन्हें अपना स्वरोजगार स्थापित करने सहायता मिलेगी। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की समीक्षा करते हुए मा0 सांसदों ने कहा कि जिन सड़कों का कार्य 10 से 5 प्रतिशत शेष रह गया है, ठेकेदारों द्वारा बिना वजह विलम्ब करने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य को जल्द पूरा करने के साथ ही ऐसे मार्ग जहां पर गड्ढे है, जिनकों चिन्हित किया गया है, उसकी मरम्मत का भी कार्य तुरंत पूरा कराये जाने के निर्देश दिए। वृद्धा पेंशन योजना की समीक्षा करते हुए सांसदों ने कहा कि पेंशन योजना के लाभ से कोई भी पात्र लाभार्थी छूटने न पाये। प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए अध्यक्ष ने कहा कि जितने फार्म पहले भरे गये थे, उनका निस्तारण

करते हुए उन्हें आवास उपलब्ध कराया जाये। स्वच्छ भारत मिशन शहरी के तहत नगर निगम क्षेत्र में शामिल हुए नए क्षेत्रों में साफ-सफाई, शौचालय, सीवर लाइन की व्यवस्था सहित अन्य सभी शहरी सुविधाएं उपलब्ध करायी जाये। उन्होंने नगर आयुक्त को निर्देशित किया कि नगर निगम में शामिल नए क्षेत्रों का लगातार निरीक्षण कर सभी आवश्यक सुविधाएं वहां पर उपलब्ध करायी जाये। ग्रामीण क्षेत्रों में निर्मित सामुदायिक शौचालयों में साफ-सफाई की व्यवस्था चुस्त-दूरूस्त बनाये रखने तथा वहां पर पानी की भी व्यवस्था लगातार बनाये रखने के लिए कहा है। राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम के तहत जनप्रतिनिधियों द्वारा गांवों में पानी की उपलब्धता पर शिकायत किए जाने पर अध्यक्ष ने अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि जो भी पुरानी टंकी जिनकी स्थिति ठीक नहीं है, उनकों ठीक कराये, जहां भी हैण्डपम्पों के रिबोर की जरूरत है, वहां पर रिबोर करायें। यह ध्यान रखा जाये कि पानी की लाइन डालते समय पाइप की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाये, जिससे की लीकेज की समस्या न उत्पन्न हो साथ ही अधिकारियों को कहा कि जितने भी राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल योजना के तहत जो भी कार्य कराये जा रहे है, उसकी रिपोर्ट हमें अगली बैठक में जरूर उपलब्ध कराये। दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना एवं सौभाग्य योजना के तहत कराये गये कार्यों के बारे में जानकारी ली। कई जगह पर कनेक्शन न होने के बावजूद बिल की शिकायत आने पर अधिकारियों को इस पर विशेष ध्यान दिए जाने के लिए कहा है। बैठक में सांसदों ने अधिकारियों को जर्जर तारों को बदले जाने, ट्रांसफार्मर का लोड बढ़ाये जाने व खराब ट्रांसफार्मरों को समय से बदले जाने के लिए निर्देशित किया। पीडब्लूडी के कार्यों की समीक्षा करते हुए अध्यक्ष ने जनप्रतिनिधिगणों द्वारा घूरपुर से प्रतापपुर, मुगारी से पनासा, बिठौली मार्ग के जर्जर होने की शिकायत पर अधिकारियों को इन मार्गों पर सड़क के निर्माण कार्य को जल्द से जल्द कराये जाने के लिए कहा है। सिंचाई विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए अध्यक्ष ने नहरों की सफाई के कार्य को अक्टूबर एवं नवम्बर माह में न कराके गर्मी के महीनों में ही कराने के लिए कहा है। यह सुनिश्चित कर लिया नहरों में टेल तक पानी उपलब्ध रहे तथा इसकी ड्रोन से मानीटरिंग कराये जाने के लिए कहा है। जनप्रतिनिधियों के द्वारा सिंचाई विभाग के जर्जर पड़े डाक बंगलों की खराब हालत की शिकायत की गयी, जिसपर अध्यक्ष जी ने डॉक बंगलों की स्थित में सुधार लाये जाने के निर्देश दिए है। नहरों में बनी पुलियों के चैड़ीकरण की मांग को ध्यान में रखते हुए जहां पर भी इसकी विशेष जरूरत है, उसका चैड़ीकरण किया जाये। अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बनाये जाने वाले अमृत सरोवरों के विषय के बारे में जानकारी ली, जिसपर मुख्य विकास अधिकारी ने बताया कि तालाबों का चिन्हीकरण कर लिया गया है। इस अवसर पर अध्यक्ष जी ने सभी सम्बंधित अधिकारियों से कहा कि विधानसभा वार मा0 विधायकों की शिकायतों पर जांच कर जो भी कार्रवाई की गयी है, उसकी जानकारी क्षेत्रीय विधायकों को जरूर उपलब्ध करायी जाये। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देशित किया है कि विधानसभावार प्रत्येक माह जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ पानी व बिजली की समस्या को लेकर बैठक आयोजित की जाये। बैठक के बाद ग्राम सचिवालयों में स्थापित जनसेवा केन्द्र के माध्यम से उत्कृष्ट कार्य करने वाले पंचायत सहायकों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर विधायकगणों, जनप्रतिनिधिगणों के अलावा मुख्य विकास अधिकारी शिपू गिरि सहित अन्य सम्बंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

डीएम ने की बैंकर्स की जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर । जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बुधवार को बैंकर्स की जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक सम्पनन हुयी। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने ऋण जमा (सी0डी0) अनुपात एवं वार्षिक ऋण योजना 2021-22 (ए0सी0पी0) के तहत बैंकों के कार्य निष्पादन की समीक्षा करते हुये 60 प्रतिशत से कम प्रगति वाले बैंकों को निर्देश दिये कि वह सुधार हेतु कायय्योजना प्रस्तुत करें। उन्होंने एल0डी0एम0 को निर्देश दिये कि प्रत्येक बैंक से निर्धारित जिला समन्वयक बैठक में स्वयं प्रतिभाग करे, किसी प्रतिनिधि को न भेजे। उन्होंने कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी लाभार्थीपरक योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण समय से किया जाना सुनिश्चित किया जाये। कोई भी पत्रावली अनावश्यक रूप से लम्बित न रखी जाये। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना में लम्बित प्रकरण होने तथा क्यूआर कोड जारी करने में विलम्ब होने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुये कड़े निर्देश दिये कि केन्द्र सरकार की इस महत्वपूर्ण योजना के क्रियान्वयन में कोई लापरवाही न की जाये। वित्तीय साक्षरता शिविरों का नियमित आयोजन

कराने के निर्देश के साथ-साथ ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा संचालित किये जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों की भी जिलाधिकारी ने समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी सभी बी0सी0 सखी को स्वयं सहायता समूहों में जोड़े के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाये। उन्होंने के0सी0सी0 तथा अन्य कृषि ऋणों का समय से वितरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये। उन्होंने उद्योगों को बढ़ावा देने के लिये संचालित योजनाओं एक जनपद एक उत्पाद, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना आदि योजनाओं की समीक्षा भी की। जनपद के समग्र विकास हेतु एनुवल क्रेडिट प्लान बनाये जाने में नाबार्ड का अनिवार्य रूप से सहयोग प्राप्त करने के निर्देश दिये। पशु पालन हेतु किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त करते हुये मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देशित किया कि बैंकों को प्रेषित किये गये आवेदनों की प्रगति की समीक्षा करें। मत्स्य पालन हेतु किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने हेतु आर्यावर्त बैंक एवं इण्डियन बैंक में अधिक आवेदन लम्बित होने पर निर्देश दिये कि शाखावार विवरण प्रस्तुत करते हुये लम्बित आवेदनों का तत्काल निस्तारण सुनिश्चित किया जाये। सभी बैंकों के प्रतिनिधियों से लम्बित आर0सी0 के मिलान कराये जाने हेतु भी निर्देशित किया। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अक्षत वर्मा, अपर जिलाधिकारी राम भरत तिवारी, डिप्टी कलेक्टर नेहा मिश्रा, जिला विकास अधिकारी राकेश कुमार पाण्डेय, डी0सी0 मनरेगा सुशील कुमार श्रीवास्तव सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

प्लेसमेंट ड्राइव में शुआट्स के 21 छात्रों को मिली सफलता

(आधुनिक समाचार सेवा)

नैनी (प्रयागराज)। सैम हिगिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी और विज्ञान विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विभिन्न कंपनियों द्वारा आयोजित प्लेसमेन्ट ड्राईव में 21 छात्र-छात्राओं को सफलता प्राप्त हुई। निदेशक, कैरियर काउंसिलिंग एण्ड प्लेसमेंट डॉ. देवराज बडुगू ने बताया कि विभिन्न कंपनियों ने विश्वविद्यालय कैंपस में प्लेसमेन्ट ड्राईव आयोजित की थी जिसमें एग्रो स्टार ने कृषि सलाहकार पद पर बीएससी एग्रीकल्चर के चार छात्रों का चयन किया। इन्फोसिस ने सिस्टम इंजीनियर पद हेतु एक छात्र का चयन किया। एच.सी.एल. टेकनेलॉजी लि. ने साफ्टवेयर इंजीनियर पद पर बीसीए, एमसीए व बीटेक कम्प्यूटर साइंस के तीन बच्चों का चयन किया। एन्जेल लाईफ प्रा. लि. ने डी.फार्मा व बी.फार्मा के चार छात्रों का चयन किया। रेमण्ड ग्रुप की रिंग प्लस एक्वा ने ग्रेजुएट इंजीनियर ट्रेनी पद हेतु बीटेक मैकेनिकल के दो छात्रों का चयन किया। स्टे-इन-फ्रण्ट में बीसीए के दो व एमसीए के एक छात्र का चयन हुआ। एम.वी.एम. मोटर्स प्रा. लि. ने सेल्स इंजीनियर एवं ऑसिफ असिस्टेन्ट पद पर बीटेक इलेक्ट्रिकल के तीन व एमबीए के एक बच्चे का चयन किया। चयनित छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण और संकाय सदस्यों द्वारा प्रदान की जाने वाली गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को दिया। कुलपति, मोस्ट रेव्ह प्रो. (डॉ.) राजेंद्र बी लाल ने चयनित छात्रों को बधाई दी और उनके सुनहरे भविष्य की कामना की।

राज्य महिला आयोग की सदस्य ने किया जेल का निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर । उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य श्रीमती सुनीता बंसल ने बुधवार को जिला कारागार सीतापुर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं को देखा एवं व्यवस्थाओं को दुरूस्त करने के संबंध में आवश्यक निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये। उन्होंने सी0सी0टी0वी0 नियंत्रण कक्ष से जेल की सुरक्षा, खेती, सब्जी उत्पादन आदि कार्यों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने महिला बैरक में एक अतिरिक्त एम्बुलेंस की व्यवस्था करने के साथ कूलर की व्यवस्था कराये जाने का भी आश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बच्चों की देखभाल, पोषण, रखरखाव की जानकारी ली। श्रीमती बंसल ने कुल कितनी कैदी महिला है के बारे में जानकारी लेते हुये, शौचालय, सननगृह का निरीक्षण किया। रात के समय जो भी महिला कैदी बीमार होती है उनकी दवा व उपचार की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली तथा महिला कैदी के रजिस्टर का विवरण एवं डिलीवरी सेवा के बारे में पूछा। उन्होंने कैदी महिलाओं से वार्ता करते हुये उनके बच्चों का हाल जाना और महिला कैदियों से पूछा कि किस अपराध में वह सजा काट रही है। महिला कैदियों को दी जा रही शिक्षा व कौशल विकास के संबंध में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों के विषय में भी जानकारी ली। साथ ही उन्होंने महिला बैरक का निरीक्षण किया। उन्होंने कैदी महिलाओं को सिलाई, कढ़ाई तथा बुनाई के प्रशिक्षण पर जोर दिया तथा क्रेच कक्ष का भी निरीक्षण किया। पाकशाला के निरीक्षण के दौरान उन्होंने बनाये गये भोजन की गुणवत्ता परखी। जिला कारागार में स्थित अस्पताल का निरीक्षण करते हुये उन्होंने मरीजों से वार्ता कर उनको मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली तथा जेलर को आश्वासन दिया कि महिला कैदियों के उपचार के लिये महिला चिकित्सक की नियुक्ति के लिये पूरा प्रयास किये जाने हेतु आश्वासन दिया।

राजकीय पेंशनर्स स्टेट हेल्थ कार्ड करें हेतु आनलाइन आवेदन - वरिष्ठ कोषाधिकारी

आधुनिक समाचार सेवा
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। वरिष्ठ कोषाधिकारी दीपक बाबू ने बताया कि जनपद प्रतापगढ़ कोषागार से पेंशन/पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने वाले राजकीय पेंशनर्स स्टेट हेल्थ कार्ड हेतु अपना आवेदन आनलान फीड कर हार्डकापी कोषागार कार्यालय में उपलब्ध करायें।इससे डेटा का सत्यापन कर पेंशनर हेल्थ कार्ड जनरेट किये जाने की कार्यवाही समय पर की जाएगी।उन्होंने स्टेट हेल्थ कार्ड बनवाने हेतु राजकीय पेंशनर्स से कहा कि सर्वप्रथम वेबसाईट को लागिन करें, उसके उपरान्त क्लिक एप्लाई फॉर स्टेट हेल्थ कार्ड पर क्लिक करें, अपने मोबाइल नम्बर की प्रविष्टि करें एवं जेनरेट ओटीपी पर क्लिक करें, मोबाइल नम्बर पर प्राप्त ओटीपी की प्रविष्टि करें, उसके बाद आपके स्क्रीन पर एक फार्म खुलेगा, जिसमें आपको अपनी सूचना की प्रविष्टि करनी है। पेंशनर हेल्थ कार्ड हेतु पेंशनर के कॉलम को सेलेक्ट करें एवं फार्म में पूर्ण एवं शुद्ध जानकारी की प्रविष्टि करें। पेंशनर हेल्थ कार्ड में कोषागार कोड 5300 की प्रविष्टि करें, अपने आश्रितों का पूर्ण विवरण की प्रविष्टि करें, फार्म को सबमिट करें एवं कोषागार द्वारा सम्पूर्ण विवरण को सत्यापित होने तक प्रतीक्षा करें।

जिला कारागार का सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने किया निरीक्षण

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के दिशा निर्देश एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय के मार्गदर्शन में जिला कारागार का सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नीरज कुमार त्रिपाठी द्वारा निरीक्षण किया गया एवं बन्दियों को विधिक रूप से जागरूक किया गया।निरीक्षण के दौरान जेलर राजेन्द्र प्रसाद चौधरी द्वारा बताया गया कि जिला कारागार में 1106 बन्दी निरूद्ध है जिसमें 960 विचाराधीन बन्दी है। इसमें महिला 28 तथा 1031 पुरूष एवं किशोर बन्दियों की संख्या 47 है। सिद्धदोष बन्दियों की संख्या 135 बतायी गयी जिसमें 05 महिला बन्दी व 130 पुरूष बन्दी शामिल है। 03 बन्दी पृथकवास में निरूद्ध है। जेल निरूद्ध महिला बन्दियों के साथ कुल 03 बच्चे रह रहे हैं। जिला कारागार में कोई बन्दी कोरोना पाजिटिव नही है। जिला कारागार को पूरी तरह से सेनेटाइज कराया जा चुका है, जेल में बन्दियों के लिये कोरोना जांच की व्यवस्था हैं। जिला कारागार में कार्यरत अधिकारी एवं कर्मचारियों को कोरोना बूस्टर डोज लगा दी गयी है। सचिव द्वारा जिला कारागार में स्थित महिला बैरक, पाकशाला, जेल अस्पताल, लीगल एण्ड क्लीनिक एवं वीडियो कान्फ्रेंसिंग रूम, आर0ओ0 प्लान्ट एवं जेल परिसर की साफ-सफाई का निरीक्षण किया गया। लीगल एण्ड क्लीनिक में चयनित जेल पीएलवी द्वारा किये गये कार्यो की जानकारी ली गयी एवं लीगल एण्ड क्लीनिक के अभिलेखों का निरीक्षण किया गया। प्रत्येक बैरिक में मनोरंजन के लिये टी0वी0 एवं योगा के शिक्षक भी प्रत्येक दिन आते है। इस अवसर पर जेल पीएलवी को निर्देशित किया गया कि जिन बन्दियों को अपने मुकदमें की पैरवी हेतु निःशुल्क पैनल अधिवक्ता की आवश्यकता है उनके आवेदन पत्र लिखित रूप में प्राप्त करके उनके आवेदन पत्र रजिस्टर में अंकित करके जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय को उपलब्ध कराये जिससे बन्दियों को उनके मुकदमें की पैरवी हेतु निःशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराया जा सके। निरीक्षण के दौरान जेल अस्पताल के चिकित्सक ने बताया कि वर्तमान में 11 बन्दी भर्ती है जिनमें 08 अस्पताल में व 03 बन्दी प्रथकवास में है जिनका उपचार कराया जा रहा है। इस अवसर पर सचिव द्वारा जिला कारागार में निरूद्ध बन्दियों को उनके अधिकारों एवं प्लीबारगेनिंग के सम्बन्ध में विधिक जानकारी देते हुये जागरूक किया गया। इस अवसर पर जेल विजिटर विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी एडवोकेट द्वारा किशोर बन्दियों को उनके विधिक अधिकारों एवं प्लीबारगेनिंग तथा जमानत के सम्बन्ध में विधिक जानकारी देते हुये जागरूक किया गया। निरीक्षण के दौरान जेलर द्वारा जानकारी दी गयी कि जेल में निरूद्ध सभी सिद्धदोष बन्दियों की अपील हो चुकी है, जिन बन्दियों की अपील नही हुई है उनके अपील किये जाने हेतु कार्यवाही करायी जा रही है जो सम्बन्धित न्यायालयों में विचाराधीन है। जेल निरीक्षण के दौरान जेल अधिकारी को निर्देशित किया गया कि जिला कारागार की प्रतिदिन साफ-सफाई कराने के साथ-साथ सेनेटाइज कराया जाये। जेल में स्थापित लीगल एण्ड क्लीनिक को नियमित रूप से संचालित करते हुये अभिलेखों को दुरूस्त किया जाये। इस अवसर पर प्रभारी जेलर अधीक्षक डा0 आर0पी0 चौधरी एवं उप जेलर अवधेश प्रसाद राय, सुनील कुमार द्विवेदी एवं पी0एल0वी0 जुल्फिकार उपस्थित रहे।

फूलपुर में डेढ़ सौ से अधिक ने राशन कार्ड सरेंडर किए

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। प्रदेश सरकार के अपात्रों द्वारा लिए जा रहे गरीबों को अनाज मामले में अपात्रों द्वारा अपने राशन कार्ड सरेंडर करने लगे। फूलपुर के आपूर्ति निरीक्षक अमित चौधरी ने बताया। कि अब तक डेढ़ सौ से अधिक लोग जो अपात्र हैं। अपने-अपने राशन कार्ड सरेंडर कर चुके है। जल्द ही नेट से उनके नाम पात्रता सूची से हटा दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अभी भी समय है। बिना देरी के अपात्र लोग अपने राशन कार्ड जमा कर दें। अन्यथा शासन की कार्यवाही से बच नहीं सकेंगे।

विश्व की प्रथम किन्नर महामंडलेश्वर हिमांगी सखी एवं अभिनेता सुरेंद्र पाल पहुँचे झाँसी

(आधुनिक समाचार सेवा)
अतुल वर्मा

झाँसी। रुद्राणी कला ग्राम ओरछा में आयोजित राम महोत्सव 2022 में सम्मिलित होने आए बॉलीवुड के अभिनेता सुरेंद्र पाल व विश्व की पहली किनन्र महामंडलेश्वर हिमांगी सखी ने संघर्ष सेवा समिति कार्यालय पहुंचकर पत्रकारों से की वार्ता की। जिसमें अभिनेता सुरेंद्र पाल ने कहा कि मैं इस बुंदेलखंड की मिट्टी का ही सपूत हूं और लालन-

पालन से लेकर पढ़ाई मैंने यहीं पर की, पीपे से नदी पार करने से लेकर मुंबई तक का सफर कैसे निकला वह मैं जानता हूं।और बुंदेलखंड की धरा ने एक से एक कलाकार इस देश को दिए हैं। मैंने 10000 से ज्यादा एपिसोड में कई किरदार निभाए। महाभारत, रामायण जैसे धार्मिक धारावाहिक से लेकर मनोरंजन के एपिसोड शक्तिमान में अहम भूमिका रही है और मुझे जो वीरों की वीर भूमि बुंदेलखंड महारानी लक्ष्मी बाई की जन्मभूमि झांसी धार्मिक भूमि ओरछा में आयोजित राम महोत्सव में आने का अवसर मिला यह मेरे लिए सौभाग्य का विषय है। भगवान राम की लीला आज की पीढ़ी के लिए नई ऊर्जा और नए संचार को प्रेरित करती है। आजकल की पीढ़ी मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम के कुछ ही पद चिन्हों पर चलें तो हमारा देश फिर से रामराज्य के रूप में स्थापित हो जाएगा। वहीं विश्व की पहली किनन्र महामंडलेश्वर हिमांगी सखी ने कहा कि आज का मानव कीचड़ के कमल की तरह अपने स्वरूप को बदले तो वह दुनिया में अपना परचम लहरा सकता है। एक कमल कीचड़ में खिलकर भगवान के चरणों में समर्पित रहता है। इसी तरह हमें भी कमल की तरह खिल कर वह नेक कार्य करना है। मुझे महामंडलेश्वर का दायित्व पशुपति पीठ और निमीही अखाड़े ने दिया है मैं अंग्रेजी, पंजाबी, गुजराती, मराठी में भागवत का ज्ञान देश ही नहीं विदेशों में भी अपने देश की अलख जगह जगाने के कार्य कर रही हूं। वही ज्ञानवापी प्रकरण पर उन्होंने कहा कि सदियों से सनातन धर्म चला आ रहा है और जहां भगवान की स्थापना थी वहां कई जगह मस्जिद की स्थापना कर दी गई है। मैं सरकार से यही प्रार्थना करती हूं कि जो जहां है वहीं रहे लेकिन जिनका स्थान सदियों से जहां स्थापित रहा है। उनको पुनः नया स्वरूप दिया जाए यही मेरी प्रार्थना है यह सनातन धर्म का धर्म है कि सनातन धर्म को मिटाने की चेष्टा करने वालों को बख्शा नहीं जाए। वही महामंडलेश्वर हिमांगी सखी और बॉलीवुड अभिनेता सुरेंद्र पाल ने कहा कि ओरछा तो भगवान श्री राम की नगरी है जो एक अपने आप में सुंदर और स्मरणीय स्थान है लेकिन आज मैं झांसी में हूँ और मेरे बेटे और बहू के रूप में डॉ. संदीप सरावगी व सपना गुप्ता को आशीर्वाद देती हूं कि यह जो कार्य उन्होंने किए हैं यह एक अनूठे कार्य हैं और जो समर्पित भाव से अपने क्षेत्र एवं आवाम के साथ खड़े हैं निस्वार्थ भाव से ऐसे सपूत के लिए उनके माता-पिता को भी धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने ऐसी संतान को जन्मा। वहीं डॉ संदीप सरावगी व सपना गुप्ता ने बॉलीवुड अभिनेता सुरेंद्र पाल व महामंडलेश्वर हिमांगी सखी को फूलों का गुलदस्ता व शॉल भेंटकर आशीर्वाद लिया।

फर्जी ई स्टैम्पिगं से कुवैत भेजा गया युवक फंसा शिकंजे मे

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। कोतवाली के चक भिखारी उर्फ परसाडीह निवासी मोहम्मद मेराज अली पुत्र मोहम्मद अतहर ने कोतवाली फूलपुर में एक प्रार्थना पत्र देकर फर्जी ई स्टैम्पिगं द्वारा विदेश भेजा। परंतु वहां जाकर

एयरपोर्ट पर फर्जी ई स्टैम्पिगं की बात बताकर एयरपोर्ट अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। किसी प्रकार वहां रह रहे रिश्तेदारों ने छुड़वाया। तो अब वापस घर मेराज आ गए। एजेंट के खिलाफ जो बनी थाना सराय इनायत का है और शम्स गरिमम टूर ट्रेवल्स लखनऊ में चलाता है। उसके खिलाफ धोखाधड़ी, मानसिक, शारीरिक उत्पीड़न तथा अन्य मामलात में सीओ फूलपुर को संबोधित शिकायती प्रार्थना पत्र थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय को सौंपकर फर्जी ट्रैवल्स एजेंसी व उसके कर्ता-धर्ता के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने की मांग की है।

खबर छपने पर बौखलाए प्रधान पति ने दी धमकी,गुंडई पर उतारू

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विकास खंड लक्ष्मणपुर के तिलौरी ग्राम पंचायत की खबर छपने पर इस ग्राम के प्रधान पति ने पत्रकार को धमकी देकर उसे क्षति पहुँचाने की कोशिश की है। इस ग्राम पंचायत में मो0शमशाद,असद उल्ला खान,लालता प्रसाद विश्वकर्मा ,छोटे लाल कोरी के ग्रामीणों के अनुसार लगभग 26 वर्ष से मोहम्मद अख्तर और उनकी पतने अख्तरुल निशा बारी बारी से प्रधानी कर रहे है।अपनी फितरत के चलते आज तक यहाँ आरक्षित सीट नहीं होने दिया है। भ्रष्टाचार में आकंठ डूबा रहा मोहम्मद अख्तर दबंग किस्म का व्यक्ति है जो जेल भी जा चुका है। वह और उसकी प्रधान पतने ग्राम पंचायत के धन का दुरुपयोग करता रहा है। इन ग्रामीणों के अनुसार कार्य न करवा कर धन गड़प कर जाता है।ग्रामीणों के विरोध करने पर मारपीट पर आमादा हो जाता है। ग्रामीणों से आवास के नाम पर 20हजार रू0की वसूली करता है। कोविड के नाम पर ग्राम पंचायत में कुछ भी नहीं किया। ग्रामीणों का आरोप है कि कोबिड का भी लगभग दो लाख यह गड़प कर गया। इस ग्राम पंचायत में नाली न होने से लोगों को परेशानी है तो पुरानी पंचायत भवन पर ग्रामीणों का आरोप है कि छत ही नहीं पड़ी।धन इसने हजम कर डाला।नया पंचायत भवन अपने घर पर ही बनाया है ताकि इसका खुद इस्तेमाल कर सके। गाँव के बदरे आलम ने जन सूचना अधिकार के तहत इससे तमाम सूचनाओं की माँग किया था लेकिन यह ग्राम विकास अधिकारी पर दबाव डालकर जन सूचनाएं प्रदान नहीं करने दे रहा है जिसकी तारीख भी मुख्य सूचना आयुक्त के यहाँ पड़ी है।भ्रष्टाचार को छिपाने वाली यह प्रधान और उसका पति आखिर कब तक योगीराज में सरकार को धोखा देता रहेगा।एक न एक दिन इसका उजागर होना और इसकी चोरी पकड़ी जाएगी यह है ग्रामीणों का विश्वास है। पूर्व में भी इसके विरूद्ध जब खबरें छपी है तो यह पत्रकारों को धमकाता है और उन्हें बदनाम करने की कोशिश करता रहा है।ऐसे प्रधान पति के विरुद्ध जिलाधिकारी को स्वयं संज्ञान लेकर ग्राम पंचायत की जाँच करवानी चाहिए और पत्रकारों को धमकाने के विरुद्ध इसके विरुद्ध विधि संवत कार्यवाही करनी चाहिए।यदि इसके विरुद्ध कार्यवाही न हुई तो पीडित पत्रकार मुख्यमंत्री आदित्य योगी नाथ से मिलकर इसकी दबंगई और इसके द्वारा दी गई धमकी के विरुद्ध अपनी बात रखेगा।

युवाओ के माध्यम से योग को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का लक्ष्य युवा भारत राज्य प्रभारी बृजमोहन

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पाण्डेय

सोनभद्र। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार मे रहकर विश्व के सबसे बड़े वैलनेस सेंटर से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके मुख्य अतिथि युवा भारत राज्य प्रभारी भ्राता श्री बृजमोहन जी दिनांक 18- 5 -2022 को चिल्ड्रन पार्क ओबरा में भारत स्वाभिमान के जिला कोषाध्यक्ष जितेंद्र सिंह जी द्वारा चलाए जा रहे नियमित योग कक्षा में प्रातः कालीन योग सत्र मे पतंजलि परिवार सोनभद्र के सभी संगठनों के पदाधिकारियों द्वारा मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि गण को पुष्पगुच्छ व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि द्वारा सभी उपस्थित योग साधक भाई बहनों को योगाभ्यास कराया तथा उससे होने वाले लाभ के बारे में विस्तृत बतलाया गया कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि युवा भारत जिला प्रभारी मिर्जापुर योगी ज्वाला जी ,सोशल मीडिया प्रभारी मिर्जापुर योगी प्रवीण आर्य जी रहे,कार्यक्रम पश्चात जिले के सभी पदाधिकारियों व सक्रिय कार्यकर्ताओं के साथ एक अति आवश्यक बैठक कर संगठनात्मक चर्चा करते हुए कहे कि युवाओं के माध्यम से योग को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का लक्ष्य स्वामी जी द्वारा रखा गया है, जिसमें

आप सभी पदाधिकारी योग साधक भाई-बहनो की भूमिका अहम होगी, आज की इस मौके पर भारत स्वाभिमान के जिला प्रभारी वीरेंद्र जी, पतंजलि योग समिति जिला प्रभारी रवि प्रकाश जी, नेतृत्व युवा भारत जिला प्रभारी आशीष जी, भारत स्वाभिमान नगर संरक्षक रावटसगंज शेषमणि तिवारी जी,, डॉ आर सी मौर्या नगर प्रभारी पतंजलि योग समिति ओबरा, महिला पतंजलि योग समिति जिला संगठन मंत्री बहन पूनम जी, आदित्य मिश्रा जी, धनराज सिंह , राजाराम उर्मिला राकेश साहनी हीरा लाल वर्मा युवा सोशल मीडिया प्रभारी योगी संकट मोचन, नागेश सिंह, मनी सेठ ,केदारनाथ ,श्रीनिवास , नीरज ,झलन शर्मा,प्रेमलता ,पिंकी, वीरेंद्र,प्रवीण, अजय कुमार शर्मा, समेत तमाम योग साधक भाई बंधु उपस्थित रहे, बहन पूनम जी द्वारा बहुत ही सुंदर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया अंत में राष्ट्रगान व शांति पाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अमर्यादित टिप्पणी पर वकीलों में आक्रोश, न्यायिक कार्य का किया बहिष्कार

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पाण्डेय

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार के विशेष सचिव प्रफुल्ल कमल द्वारा अधिवक्ताओं के विरुद्ध की गई अमर्यादित टिप्पणी पर बुधवार को वकीलों में आक्रोश रहा और न्यायिक कार्य का बहिष्कार किया। जिसकी वजह से कोर्ट का कामकाज प्रभावित रहा और वादकारियों को घोर परेशानी हुई। सोनभद्र/महेंद्र प्रसाद शुक्ला एडवोकेट, अध्यक्ष सोनभद्र बार एसोसिएशन, सोनभद्र। फोटोः2- राकेश शरण मिश्र एडवोकेट, मनोनीत सदस्य उत्तर प्रदेश बार काउंसिल। संवाद न्यूज एजेंसीबता दें कि 14 मई को विशेष सचिव उत्तर प्रदेश सरकार प्रफुल्ल कमल ने प्रदेश भर के जिलाधिकारियों को भेजे पत्रक में अधिवक्ताओं के विरुद्ध अमर्यादित टिप्पणी किया है। जिसकी जानकारी मिलते ही सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महेंद्र प्रसाद शुक्ला एडवोकेट ने वकीलों की एक आपात बैठक बुलाई और यह निणय्र लिया गया कि विरोध स्वरूप न्यायिक कार्य से अधिवक्ता बुधवार को विरत रहेंगे। वकीलों के कार्य बहिष्कार की वजह से कोर्ट के कामकाज प्रभावित रहा और वादकारी परेशान रहे। यह भी निणय्र लिया गया कि उत्तर प्रदेश बार काउंसिल जैसा भी निणय्र करेगा उसका अक्षरशः पालन किया जाएगा। बैठक मिल्डर कमेटी के अध्यक्ष केएन मिश्र, गोविंद प्रसाद मिश्र, रमेश राम पाठक, अखिलेश कुमार मिश्र, रमेश प्रसाद चौबे,चंद्रपाल शुक्ल आदि मौजूद रहे। उधर उत्तर प्रदेश भर काउंसिल के मनोनीत सदस्य राकेश शरण मिश्र ने कहा कि यूपी बार काउंसिल के आदेश पर 20 मई को प्रदेश भर के अधिवक्ता विरोध स्वरूप न्यायिक कार्य से विरत रहेंगे।

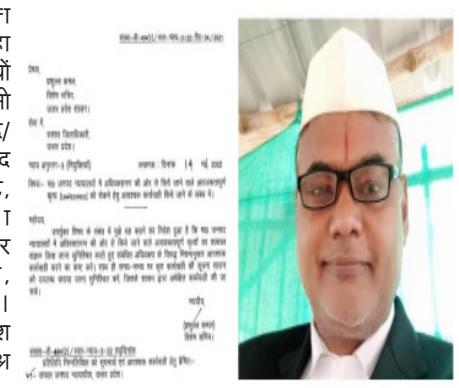

मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस का शुभारंभ, किसानों की लगी कतार

पटेहरा (मीरजापुर) । विकास खंड क्षेत्र अंतर्गत पटेहरा में रूर्बन मिशन अंतर्गत उद्यान विभाग की ओर से 1.04 करोड़ की लागत से 2021-22 में निर्मित मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने अब अपना काम करना शुरू कर दिया है। प्रथम दौर में किसान रामजी दुबे नुआंव ब्लाक सिटी के 50 हजार पौध टमाटर व किसान आनंद प्रताप सिंह डढ़िया ब्लाक पटेहरा के 30 हजार पौध मिर्चा के तैयार करने के लिए पैकेजिग की गई है। टमाटर के पौध 20-25 दिन में मिर्चा के पौध 25-30 दिन में तैयार होकर रोपित किए जाएंगे। प्रति पौध तैयार करने की लागत किसान को एक रुपये उद्यान विभाग को देने होंगे। इसमें आधा रुपया बीज के साथ और आधा रुपया पौध तैयार होने पर उद्यान विभाग में जमा करने होंगे। किसान चाहे तो मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से बगैर बीज दिए दो रुपये तैयार पौध खरीद सकता है। उद्यान अधिकारी मेवाराम ने बताया कि पहले किसानों को नर्सरी डालने के लिए अब तक मौसम से लेकर सिचाई की समस्या आती थी। पौध भी रोग जनित होते थे, पौध में तमाम रोग लगते थे। इस भय से किसान बीज समय से नहीं डाल पाते थे। इससे खेती भी पिछड़ जाती थी और उपज का मूल्य भी नहीं मिल पाता था। अब उद्यान विभाग द्वारा मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की कवायद से जागरूक किसान अगईत खेती करके अच्छा मुनाफा कमाएंगे और आय चौगुनी कर मालामाल होंगे। पटेहरा के पौध की खेती का उपज महानगरों में धमाल मचाएगा। लोगों को महाराष्ट्र के टमाटर पर आश्रित नहीं होना पड़ेगा। महाराष्ट्र से कम दाम पर अपने जनपद की फसल का स्वाद चखने का आनंद ही कुछ और होगा। क्या है मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस --- मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में तैयार पौध में मिट्टी का प्रयोग नहीं होता, उसमें गोबर खाद और केमिकल में बीज डाल कर 20 दिन प्रथम फेज और बाकी के दिन बगल में स्थित हार्डनिग सेंटर में ट्रांसफर कर निरोगित पौध बराबर उद्यान अधिकारी मेवाराम के अनुश्रवण में तैयार करके दिया जाएगा। इसकी निगरानी भी जनपद के आला अधिकारी करेंगे। क्या कहते है किसान- अब तक हम किसानों के पास पौध तैयार करने की तकनीक नहीं थी। समय से पौध तैयार नहीं होने से लागत अधिक व मुनाफा कम होता था। अब पौध तैयार करने में मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंश वरदान साबित हुआ है। खेती करके अच्छा मुनाफा होगा। रामजी दुबे। गांव देहात के किसान केवल धान और गेहूं की खेती करते थे। अब समय से पहले अगईत खेती करने में मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस वरदान साबित होगा। प्रथम शिफ्ट में 30 हजार पौध मिर्चा के तैयार करने के लिए उद्यान विभाग को बीज दिया है जो 30 दिन में तैयार होगा।रूर्बन योजना से निर्मित मिनी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस जनपद के लिए वरदान साबित होगा। एक शिफ्ट में डेढ़ लाख पौध तैयार करने की क्षमता है। इसके तहत अंकुरित पौध को 20 दिन बाद हार्डनिग सेंटर में ट्रांसफर किया जाएगा। इस पौध को तैयार करने में मिट्टी का प्रयोग नहीं होता।

अमृत सरोवर बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों ने चलाया फावड़ा

मीरजापुर । जल की एक-एक बूंद सहेजने के लिए अमृत सरोवर का निर्माण कराया जा रहा है। इस कार्य का शुभारंभ भूमि पूजन व फावड़ा चलाकर मंगलवार को किया गया। जल संरक्षण की अनूठी पहल के तहत जनपद में 77 अमृत सरोवर बनाए जा रहे हैं। विधायक मड़िहान रमाशंकर सिंह पटेल, बीडीओ अजय कुमार तिवारी ने राजगढ़ के देवपुरा, खोराडीह व पटेहरा कला के बसहीं में तो कोन के चिदलिख में विधायक नगर रतनकर मिश्र ने भूमि पूजन कर शुभारंभ किया। कहा कि अमृत सरोवर के तहत तालाब निर्माण व जीणोद्धार होने से पेयजल संकट तो दूर होगा। लोगों को जल संरक्षण का संदेश भी मिलेगा।हलिया के बड़गड़ा में विधायक छानबे राहुल प्रकाश कोल व दिघुली में बीडीओ विजय कुमार ने शुभारंभ किया। कहा कि सरकार ग्राम पंचायतों में तालाब के सौदर्यीकरण कराकर शहर की तर्ज पर विकसित करा रही है, जिससे लोगों को सुविधाएं मिल सके। एडीओ पंचायत अरुण मिश्रा, सचिव पीयूष दूबे, गौरव राना, दिलीप पटेल, गुलाब बहादुर पटेल, अखिलेश बिद रहे। लालगंज के महुलार, लहंगपुर, रेही में विधायक छानबे राहुल प्रकाश ने बीडीओ रमाकांत संग शुभारंभ किया। डा. शिवजोर पाल, संतोष दुबे, कुलदीपक पटेल, राजाराम व मुस्ताक अहमद, चंद्रभूषण पाल, सत्येन्द्र मिश्र रहे। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने विकास खंड सीटी के अहमलपुर ग्राम पंचायत में तालाब पर भूमि पूजन व फावड़ा चलाकर शुभारंभ किया। उपायुक्त श्रम रोजगार मो. नफीस, बीडीओ राम दरस चौधरी, एपीओ राजेश कुमार रहे। सीडीओ श्रीलक्ष्मी वीएस ने जमालपुर के जयपट्टी कलां गांव में अमृत सरोवर तालाब के लिए चयनित तालाब पर ब्लाक प्रमुख मंजू सिंह के साथ नारियल फोड़कर एवं फावड़ा चलाकर काम का शुभारंभ किया। पहाड़ी के तोसवा तथा लोकापुर में प्रमुख क्षेत्र पंचायत पहाड़ी इन्द्र बहादुर पांडेय, मझवा के लरवक में सारनाथ मंदिर के सामने पीडी अनय कुमार मिश्र ने भूमि पूजन किया। प्रमुख क्षेत्र पंचायत मझवा दिलीप कुमार सिंह, बीडीओ राजेश कुमार यादव रहे। नरायनपुर के दीक्षितपुर में प्रमुख, छानबे के कामापुर कला में प्रमुख छानबे सुमन सिंह व बीडीओ शरद कुमार सिंह, सीखड़ के बगहां में सदस्य जिला पंचायत कृष्ण कुमार सिंह व बीडीओ ने पूजन कर किया। विकास खंड राजगढ़ के कलवारी माफी के प्रधान रामादेवी ने पूजन एवं फावड़ा चलाकर शुभारंभ किया। एडीओ संजय सिंह, जवाहर सिंह पटेल, अनुराग, प्रमोद, नंदलाल रहे। मीरजापुर में 77 तालाब बनेंगे अमृत सरोवर डीसी मनरेगा मो. नफीस ने बताया कि जनपद में 75 अमृत सरोवर का निर्माण किया जाना है। जनपद में 75 के सापेक्ष 77 तालाबों का चयन अमृत सरोवर के रूप में विकसित करने के लिए किया गया है। अमृत सरोवर का न्यूनतम रकबा एक एकड़ होगा। तटबंध पर आवश्यकतानुसार पाथवे (वाकिंग पथ) विकसित किया जाएगा।

तैराकी में नीतिश, शिवकांत व बालिका में शिखा चैंपियन

चुनार (मीरजापुर) । तैराकी प्रशिक्षण केंद्र की ओर से मंगलवार की शाम बालूघाट स्थित गंगा में तैराकी प्रतियोगिता आयोजित की गई। सब जूनियर व जूनियर बालक वर्ग तथा जूनियर बालिका वर्ग में कराई गई विभिनन् प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी तैराकों ने गंगा की धारा में अपना दमखम दिखाया। बालक जूनियर वर्ग में नीतिश साहनी, बालक सब जूनियर में शिवकांत निषाद तथा बालिका जूनियर वर्ग में शिखा निषाद व्यक्तिगत चैंपियन का खिताब जीता। मुख्य अतिथि व पुलिस ट्रेनिग स्कूल के सीओ हरिराम यादव ने विजेताओं को ट्रॉफी व पुरस्कार देते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से ग्रामीण स्तर पर प्रतिभाओं में निखार आता है। विशिष्ट डा. सत्यवान श्रीवास्तव, अतिथि डा. मनोज श्रीवास्तव, फादर विसेट परेरा, विजय बहादुर सिंह, नंदलाल केसरी, डा. विपुल रस्तोगी, अखिलेश सिंह, शीतला प्रसाद यादव, दीपचंद मोदनवाल मौजूद थे। तैराकी प्रशिक्षक महेश प्रसाद सहानी, दिग्विजय साहनी, संतोष साहनी रेफरी की भूमिका में थे। संचालन सभासद राजू यादव ने की। इस दौरान आतिश साहनी, अनिल साहनी उर्फ लक्कड़, कैलेंडर साहनी, मुमताज अली नाव लेकर तैराकों की सुरक्षा में लगे रहे। बालक जूनियर वर्ग 200 मीटर फ्री स्टाइल में नीतिश साहनी, अनिल यादव, 50 मीटर बैक स्ट्रोक में नीतिश साहनी, सत्यम निषाद, 200 मीटर व्यक्तिगत मिडले में नीतिश साहनी, अंकित यादव। सब जूनियर वर्ग 50 मीटर फ्री स्टाइल में शिवकांत निषाद, अनुज निषाद, 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में शिवकांत निषाद, अनुज निषाद, 100 मीटर व्यक्तिगत मिडले में शिवकांत साहनी, अनुज निषाद। जूनियर बालिका वर्ग में 50 मीटर बैक स्ट्रोक में अनुष्का, अंजली यादव, 50 मीटर बटरफ्लाई में शिखा निषाद, पायल निषाद, 50 मीटर फ्री स्टाइल में शिखा निषाद, वंदना निषाद तथा 50 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक में अनुष्का व अंजली यादव क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान पर रहीं।

सड़क हादसे में अध्यापिका सहित दो लोगों की गई जान, आधा दर्जन घायल

चुनार (मीरजापुर) । मंगलवार को सड़क हादसे में अध्यापिका सहित दो लोगों की मौत हो गई। इस घटना में आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। हादसे से मृतकों के स्वजन में कोहराम मच गया। चुनार कोतवाली क्षेत्र के भौरही गांव स्थित राजकीय पालीटेकिन्क कालेज के पास सामने से आ रहे डंपर की टक्कर से आटो सवार प्राथमिक विद्यालय में सहायक अध्यापिका सहित दो लोगों की मौत हो गई। छह लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि आटो के परखचे उड़ गए। दुर्घटना के बाद आस-पास के लोगों ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चेचरी मोड़ चुनार भेजा जहां चिकित्सकों ने दो लोगों को मृत घोषित कर दिया। सीएचसी पहुंचे सीओ चुनार रामानंद राय व कोतवाल त्रिवेणी लाल सेन ने दुर्घटना के बारे में घायलों से जानकारी ली और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। चुनार से सवारियां लेकर आटो चालक मीरजापुर की ओर जा रहा था। डगमगपुर से टेगरा मोड़ तक राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या सात के चौड़ीकरण का काम चल रहा है इसलिए कई स्थानों पर डायवर्जन लगा हुआ है। पालीटेकिन्क कालेज के पास आटो चालक को डायवर्जन का अंदाज नहीं लगा और अपनी लेन छोड़कर दूसरी लेन में चला गया। उसी समय सामने से तेज रफ्तार में आ रहे डंपर ने आगे जा रहे बालू लदे ट्रक को ओवरटेक करते हुए विपरीत दिशा से आ रहे आटो में टक्कर मार दी। बालू लदा ट्रक बाएं जाकर पलट गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि डंपर में फंसा आटो करीब दस फीट तक घसीटता चला गया। दुर्घटना में वाराणसी के रोहनिया थाना क्षेत्र के फरीदपुर गांव के आशीष पाल तथा रतनगंज मीरजापुर की अध्यापिका पिकी कनौजिया की मौत हो गई। पिकी नरायनपुर विकास खंड के प्राथमिक विद्यालय खुंदका में सहायक अध्यापिका के रूप में तैनात थीं। दूसरे मृतक आशीष पाल चुनार कोतवाली अंतर्गत बरगवां गांव में अपने नाना के घर जा रहे थे जहां उनकी मौसी की शादी 19 मई को थी। घटना की सूचना मिलने पर दोनों मृतकों के घरवाले चुनार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंच गए। उनका करुण क्रंदन सुनकर मौके पर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल कछवां निवासी सुदामा देवी को प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया। दुर्घटना में ऑटो चालक इद्रीस व रेखा पाल गंभीर रूप से घायल हो गईं। दोनों का उपचार निजी अस्पताल में चल रहा है। सुदामा देवी तथा सोनगंगा को रेफर कर दिया गया। डगमगपुर की संगीता पाल तथा सलामत के बेजवा औराई को चोट आई। उजड़ गई मेरी दुनिया खुंदका प्राथमिक विद्यालय में तैनात रहीं अध्यापिका पिकी कनौजिया के पति अविनाश चौधरी भी सिटी ब्लाक के लोंहदी कला गांव में अध्यापक हैं। जब अविनाश चुनार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे तो बिलख पड़े। अविनाश रो-रो कर कह रहे थे कि हे भगवान मेरी दुनिया उजड़ गई। मैदागिन वाराणसी निवासी पिकी का विवाह नवंबर 2021 में अविनाश के साथ हुआ था। पहले वह वाराणसी से आती जाती थीं और विवाह के बाद मीरजापुर से विद्यालय प्रतिदिन आती थीं।

कोल माफियाओं के लिए चारकोल बना सोना

अनपरा (सोनभद्र)। ऊर्जांचल में चारकोल कोल माफियाओं के लिए सोना बना हुआ है। प्रतिदिन हजारों टन बाहर से चारकोल लाकर कोयले में मिलाया जा रहा है। इस अवैध कारोबार से कोल ट्रांसपोर्टर रोज करोड़ों रूपये की अकूत कमाई कर रहे हैं। जिला प्रशासन व रेलवे विभाग बखूबी इस अवैध कारोबार को जानते हुए अनजान बना हुआ हैं। मंगलवार व बुधवार को कृष्णशिला रेलवे साइडिग व मध्यप्रदेश स्थित साइडिग पर आठ दर्जन से अधिक ट्रकों द्वारा चारकोल लाकर कोयले में मिलाया गया। सड़कों पर चारकोल लदे वाहन दिनभर खड़े रहे। रात होते ही साइडिग पर बेखौफ चारकोल अनलोड किया गया। जिम्मेदार विभाग मौन साधे हुए हैं। सभी विभाग एक दूसरे पर जिम्मेदारी का ठीकरा फोड़ रहे हैं। रेलवे व पुलिस द्वारा कहा जाता है कि जांच कर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएंगी। जो महज एक दिखावा बन गया है। कतिपय कारणों से इस अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश नही लगाए जाने से आम जनमानस में यह मुद्दा एक रहस्य बना हुआ हैं। कोयले के बढ़ते अवैध कारोबार से क्षेत्र में कभी भी गैंगवार की स्थिति बन सकती है। कोल माफिया तमाम तकनीक इजाद कर कोयला चोरी के ग्राफ को मजबूत कर रहे हैं।

सड़क सुरक्षा के लिए बच्चों ने निकाली रैली,किया जागरूक

मीरजापुर । सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए बेसिक शिक्षा विभाग के बच्चों ने रैली निकालकर जागरूक किया। इस दौरान लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने की शपथ भी दिलाई गई। नगर के लालडिग्गी स्थित रानी कर्णावती कंपोजिट स्कूल में भाजपा जिलाध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने हरी झंडी दिखा कर जागरूकता रैली को रवाना किया। कहा कि बच्चों की जागरूकता से भविष्य में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने में काफी मदद मिलेगी। नगर खंड शिक्षा अधिकारी आशुतोष तिवारी, एआरपी वीरभानु सिंह, प्रधानाध्यापिका मथुरिमा तिवारी ने सड़क सुरक्षा नियमों के बारे में विचार व्यक्त किए। संचालन मांडलिक मंत्री रमाकांत दुबे ने किया। मंजुला सिंह, जैनेंद्र, राजीव पांडेय, अखिलेश, केसी अग्रवाल रहे। प्राथमिक विद्यालय तोसवा प्रथम पहाड़ी से बच्चों द्वारा रैली निकाली गई। ब्लाक प्रमुख इंद्र बहादुर पांडेय ने हरी झंडी दिखाकर रैली रवाना किया। पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यालय एवं पुस्तकालय देखकर प्रसनन्ता जताते हुए शुभकामनाएं दी। दिनेश सिंह, राजेश चौबे, विजय श्रीवास्तव, प्रधानाध्यापक नीलकांत पांडेय रहे। कछवां (मीरजापुर)ः सड़क सुरक्षा सप्ताह जागरूकता अभियान के तहत उच्च प्राथमिक विद्यालय कछवां में खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार सिंह, सभासद सदाकत अली, प्रधानाध्यापक मनोज कुमार राय ने हरी झंडी दिखा रैली को रवाना किया। कहा कि सड़क पर चलते समय नियमों का पालन अवश्य करें। सड़क सुरक्षा की शपथ सहायक अध्यापक राकेश भट्ट ने दिलाई। पंकज दयाल, रेखा सिंह, उषा सिंह, बद्री नारायण, राजनारायण, सूर्य प्रकाश सिंह, आशीष सिंह, विनोद सिंह, रंभा, अंजली, सरोज देवी रही।

जांच में स्वीपर व एलडीसी मिले अनुपस्थित.....

हलिया (मीरजापुर) । उच्चीकृत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का बुधवार को अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अरुण कुमार ने औचक निरीक्षण किया है। इस दौरान उपस्थित पंजिका को देखा, जिसमें स्वीपर कैलाश वर्मा व एलडीसी अमित कुमार सिंह अनुपस्थित मिले। इस पर नाराजगी जताते हुए दोनों लोंगो को अनुपस्थित कर स्पष्टीकरण की मांग की। एसीएमओ ने ओपीडी, महिला वार्ड, लेबर रूम, औषधि वितरण कक्ष, पंजीकरण काउंटर आदि को भी देखा। वार्ड में भर्ती मरीजों से स्वास्थ्य केंद्र के व्यवस्थाओं के संबंध में भी जानकारी ली। एसीएमओ ने प्रभारी चिकित्साधिकारी डा.अभिषेक जायसवाल को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान डा.संदीप कुमार, डा. रियाजुद्दीन खान, डा. हर्षवर्धन, डा. रीना पटेल, चीफ फार्मासिस्ट शिवशंकर सिंह, अजय कुमार आदि उपस्थित रहे।

भू वैज्ञानिकों के दिशा निर्देश के अनुसार ही करें स्वायल ट्रीटमेंट

दुद्धी (सोनभद्र) । कनहर सिचाई परियोजना के मुख्य अभियंता हर प्रसाद बुधवार को अमवार में निर्माणाधीन मुख्य बांध के निर्माण कार्य के प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने बाई राकफिल के लिए तैयार किए जाने वाले बुनियाद का कार्य शुरू करने के पूर्व कार्यदायी संस्था एवं मातहत इंजीनियरों को दो टूक शब्दों में चेताया कि नदी के पत्थर एवं मिट्टी का उपचार वे भू वैज्ञानिकों के दिशा निर्देश के तहत ही करें। यदि कोई तकनीकी अड़चन आ रही है, तो संबंधित वैज्ञानिकों से संपर्क कर उसका हल लिखित तौर पर निकालें। 16 फाटक वाले निर्माणाधीन डैम के तीन गेट कंप्लीट होने पर खुशी जाहिर करते हुए बाकी बचे गेट का कार्य भी इसी गति से पूरा करें। जिससे आने वाले दिनों में कुछ अन्य नये कार्यों की रूपरेखा बनाई जा सके। निरीक्षण के पश्चात मातहत अभियंताओं व कार्यदायी संस्था के साथ फील्ड हास्टल में हुई बैठक में उन्होंने मुख्य बांध हाइड्रोलिक फाटक एवं बाई राकफिल के कार्य में गति लाने का निर्देश दिया। श्री प्रसाद ने मातहत अभियंताओं को निर्देशित किया कि वे जून माह के पूर्व नदी के बीच होने वाले सभी कार्य पूर्ण कर लें। जिससे आगामी नवंबर माह से बांध बांधने की प्रक्रिया शुरू किया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने हाइड्रोलिक गेट लगाने में किसी तरह की कोई चूक न हो, इसके लिए जिस संख्या पर गेट लगाना हो, उस खंड में पूरा कार्य समाप्त करने के बाद ही दूसरे खंड की प्रक्रिया शुरू करें। इसके पूर्व अधीक्षण अभियंता सीमांत अग्रवाल के साथ स्पिलवे, डेस्क स्लैब, गेट एवं पत्थर पिचिग के कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। जमीनी हकीकत से रुबरु होने के बाद वे मातहतों को कई दिशा निर्देश भी दिया।

चेन्नई की कमजोर गेंदबाजी और आरसीबी की लचर बल्लेबाजी का मुकाबला

पुणे। चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को अपनी कमजोर गेंदबाजी में और रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अपनी लचर बल्लेबाजी में सुधार करना होगा जब खराब फार्म से जूझ रही दो दिग्गज टीमें आइपीएल के महत्वपूर्ण मुकाबले में बुधवार को आमने-सामने होंगी। क्रिकेट में दो मजबूत और फार्म में चल रही टीमों का मुकाबला रोचक रहता है, लेकिन जब ऐसे दो दिग्गज सामने हैं जिनकी कमजोर कड़ियां जगजाहिर है तो मुकाबला और दिलचस्प रहेगा। अब तक 10 मैचों में आरसीबी के लिए छह ही अर्धशतक लग सके हैं जिनमें से दो कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने लगाए हैं। इससे साबित होता है कि उसकी बल्लेबाजी किस स्तर की रही है। वहीं, चेनन्ई ने अभी तक नौ मैच खेले हैं और उसके किसी भी गेंदबाज की किफायत दर 7.50 प्रति ओवर से कम नहीं रही है। महेश तीक्षणा ने 7.54 की औसत से गेंदबाजी की है जबकि ड्वेन ब्रावो और मुकेश चौधरी का औसत क्रमश : 8.73 और 9.82 रहा है। पिछले मैच में विराट कोहली के अर्धशतक के बाद यह मैच और रोमांचक होगा। वहीं, महेंद्र सिंह धौनी ने चेनन्ई की कमान फिर संभालने के बाद जीत दर्ज की है तो यह भी देखना होगा कि क्या वह जीत की लय कायम रख पाते हैं। खराब फार्म से जूझ रहे रवींद्र जडेजा के कप्तानी छोड़ने के बाद धौनी को फिर कमान सौंपी गई जिसके बाद सीएसके ने सनराइजर्स हैदराबाद को हराया। आरसीबी के

नौ मैचों में 10 अंक है। हालांकि उसे लगातार तीन मैचों में पराजय झेलनी पड़ी। आरसीबी ने सत्र का न्यूनतम स्कोर 68 रन अपने नाम किया और एक अन्य मैच में 145 रन के आसान लक्ष्य का पीछा नहीं कर सके। गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में कोहली ने 53 गेंद में 58 रन बनाए, लेकिन उनकी टीम 170 रन ही बना सकी जो बल्लेबाजों की मददगार पिच पर कम स्कोर था। कोहली ने 10 मैचों में 186 और डुप्लेसिस ने नौ मैचों में 278 रन बनाए है। दोनों हालांकि अपने चिर परिचित फार्म में नहीं हैं। कोहली ने 58 रन बनाने में करीब नौ ओवर लिए जिससे उनकी टीम बड़ा स्कोर बनाने से चूक गई। दिनेश कार्तिक (10 मैचों में 218 रन) और ग्लेन मैक्सवेल (सात मैचों में 157 रन) को और प्रयास करने होंगे। अब उनका सामना कमजोर गेंदबाजी आक्रमण से है। चेनन्ई के चौधरी या सिमरजीत सिंह के पास अनुभव नहीं है तो अनुभवी जडेजा बहुत खराब दौर से जूझ रहे हैं। रायल चैलेंजर्स बैंगलुरुः फाफ डुप्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, ग्लेन मैक्सवेल, मुहम्मद सिराज, हर्षल पटेल, वानिंदु हसरंगा, दिनेश कार्तिक, जोश हेजलवुड, शाहबाज अहमद, अनुज रावत, आकाश दीप, महिपाल लोमरोर, फिन एलन, शेरफेन रदरफोर्ड, जेसन बेहरेनडार्फ, सुयश प्रभुदेसाई, चामा मिलिंद, अनीश्वर गौतम, कर्ण शर्मा, डेविड विली, रजत पाटीदार, सिद्धार्थ कौल। चेनन्ई सुपरकिंग्सः महेंद्र सिंह धौनी (कप्तान), रवींद्र जडेजा, मोइन अली, रुतुराज गायकवाड़, ड्वेन ब्रावो, अंबाती रायडू, राबिन उथप्पा, मिशेल सेंटनर, क्रिस जार्डन, एडम मिल्ने, डेवोन कोनवे, शिवम दुबे, ड्वेन प्रिटोरियस, महेश तीक्षणा, राजवर्धन हैंगरगेकर, तुषार देशपांडे, केएम आसिफ, सी हरि निशांत, एन जगदीसन, सुब्रंशु सेनापति, के भगत वर्मा, प्रशांत सोलंकी, सिमरजीत सिंह, मुकेश चौधरी।

कैसा होगा कल मैच में गुजरात और पंजाब का प्लेंइंग इलेवन इन खिलडियों पर रहेगी नजर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के आधे लीग मैच खत्म हो चुके है। प्लेआफ की तस्वीर धीरे धीरे साफ होती नजर आ रही है। 3 मई मंगलवार की शाम को खेले जाने वाले मुकाबले में गुजरात और पंजाब की टीमों का मुकाबला होने वाला है। इस मैच में अगर गुजरात की टीम ने जीत हासिल की तो वह प्लेआफ में पहुंचने

वाली पहली टीम बन जाएगी। अगर पंजाब की टीम को यहां हार मिली तो उसके लिए आगे का सफर मुश्किल हो जाएगा। इस मैच में हार्दिक पांड्या की कप्तानी वाली टीम गुजरात के प्लेइंग इलेवन में बदलाव की उम्मीद कम है। टीम का संतुलन शानदार है गेंदबाजी से लेकर बल्लेबाजी तक कमाल नजर आ रही है। पंजाब की टीम के लिए अब तक सीजन उतार चढ़ाव वाला रहा है। बड़े स्कोर का पीछा करने से शुरुआत करने वाली टीम के लिए अब मुकाबले करो या मरो के है। टाइटंस के ओपनिंग में रिद्धिमान साहा और शुभमन गिल की जोड़ी होगी। इसके बाद कप्तान हार्दिक पांड्या जो तीसरे नंबर पर बेहतर खेल दिखा रहे है उनसे फिर एक अच्छी पारी की उम्मीद होगी। साई सुरदर्शन, डेविड मिलर और राहुल तेवतिया नीचले क्रम में होंगे। गेंदबाजी टीम की अहम कड़ी है। लोकी फुर्युसन, मोहम्मद शमी और अल्जारी जोसेफ तेज गेंदबाजी में है तो वहीं स्पिनर में चैंपियन राशिद खान होंगे। शुभमन गिल, रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), साई सुदर्शन, हार्दिक पांड्या (कप्तान), डेविड मिलर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, प्रदीप सांगवान, अल्जारी जोसेफ, लॉकी फर्ग्यूसन, मोहम्मद शमी पंजाब की बात करें तो टीम को अब हर हाल में आने वाले मुकाबलों में जीत चाहिए। कप्तान मयंक अग्रवाल को बड़ी पारी खेलनी होगी, उनसे साथी शिखर धवन लगातार रन बना रहे हैं। भानुका राजपक्षे और जानी बेयरस्टो दो विकेटकीपर के साथ टीम सिर्फ बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए उतरने को मजबूर है। लियाम लिविंग्स्टोन अच्छी लय में हैं उनके साथ जितेश को अहम भूमिका निभानी होगी। गेंदबाजी में टीम के पास चैंपियन कगिसो रबादा के साथ अर्शदीप और अनुभवी संदीप शर्मा है। स्पिनर में टीम के पास राहुल चाहर जैसा शानदार गेंदबाज हैं। मयंक अग्रवाल (कप्तान), शिखर धवन, भानुका राजपक्षे, जानी बेयरस्टो, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), ऋषि धवन, कगिसो रबाडा, राहुल चाहर, संदीप शर्मा, अर्शदीप सिंह.।

सुनील गावस्कर ने साफ कहा आगे आइपीएल में नहीं खेलना चाहते तो कप्तानी वापस क्यों लेते

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में टूर्नामेंट की सबसे सफल टीमों में शामिल चेनन्ई सुपर किंग्स का प्रदर्शन नाम के मुताबिक नहीं कहा। टीम प्लेआफ की दौड़ से बाहर है और अब वह सिर्फ सम्मान बचाने के लिए आखिरी मुकाबले में खेलने उतरेगी। इस सीजन की शुरुआत से पहले ही महेंद्र सिंह धौनी ने कप्तानी छोड़ने की घोषणा की थी जिसके बाद रवींद्र जडेजा को यह जिम्मेदारी दी गई। टीम की मिली लगातार हार के बाद टीम की कमान जडेजा ने छोड़ी और धौनी को वापस से कप्तान बना दिया गया।
पिछले कई सीजन से इस बारे में बात होती रहती है कि क्या महेंद्र सिंह धौनी अगला सीजन खेलेंगे। इस बारे में पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने बड़ी बेहतरीन बात कही। उन्होंने गुजरात और चेनन्ई के बीच हुए मुकाबले के बाद

यह साफ कर दिया कि अगर जो धौनी को अगला सीजन नहीं खेलना होता तो वह टीम की कप्तान कभी भी वापस से नहीं स्वीकार करते। अब जबकि उन्होंने चेनन्ई की कप्तानी वापस से संभाली है और टीम को आगे चला रहे हैं तो मतलब साफ है वह आगे खेलते दिखेंगे गावस्कर बोले, ठमुझे लगता है कि उन्होंने यह कहा कि आप उनको यकीनन पीली जर्सी में देखेंगे। चाहे ये खिलाड़ी की जर्सी हो या फिर किसी और पीली पोशाक, उनको इसी टीम में देखा जाएगा। मुझे लगता है कि वह इस टीम के साथ बतौर मेंटोर बने रहेंगे। अगर जो वह आगे नहीं खेलना चाहते थे तो फिर वापस से कप्तानी कभी नहीं स्वीकार की होती। आगे उन्होंने कहा, ठकभी कभार आप अपनी सफलता की तुलना में असफलता से ज्यादा सीखते हैं। शायद उस वक्त जब जडेजा के चोटिल होने से दो मुकाबलों में उनको मौका दिया जा सकता था। जडेजा को धौनी वो दो चार मुकाबले का अनुभव दे सकते थे। मुझे इस बात का भरोसा है कि वह पीली जर्सी में वापसी जरूर करेंगे, इसको लेकर तो कोई सवाल ही नहीं है।

दो गोल्डन ब्वाय ने दी थामस कप जीतने वाली गोल्डन टीम को शुभकामनाए

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन के इतिहास में 15 मई का दिन इतिहास में दर्ज हो गया। इस दिन न केवल भारत ने 7 दशकों के लंबे इंतजार को अपने हौसले और जुनून से पूरा किया बल्कि एक 14 बार की चैंपियन टीम इंडोनेशिया को हराकर एक मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई की भारतीय टीम केवल खेलने नहीं जीतने आई थी। क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल में भारत की जीत से इतना तो तय था कि टीम इस बार खाली हाथ नहीं लौटेगी लेकिन ये रंग गोल्डन होगा किसी ने कल्पना नहीं की थी। इस कल्पना को लक्ष्य सेन, किदांबी श्रीकांत और सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी के सच साबित कर दिया और पूरे देश को एक ऐसी खुशी दी जिससे देशवासियों का सीना फख्र से चौड़ा हो गया। इस जीत के बाद भारत को ओलंपिक में ट्रेक एंड फील्ड में पहली बार गोल्ड जीताने वाले और पहला व्यक्तिगत गोल्ड मेडल जीतने वाले अभिनव बिंद्रा ने शुभकामनाएं दी है। गोल्डन ब्वाय नीरज चोपड़ा ने ट्विट कर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है कि ऐतिहासिक थामस कप जीतने के लिए टीम के सभी सदस्यों को धन्यवाद। उम्मीद है ये जीत आने वाली पीढ़ी को खेल के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने सेमीफाइन मैच जीतने के बाद भी भारतीय बैडमिंटन टीम का हौसला बढ़ाया था और लिखा था कि आप सभी को रविवार को होने वाले फाइनल मैच की शुभकामनाएं। दूसरे गोल्डन ब्वाय अभिनव बिंद्रा ने लिखा क्या ऐतिहासिक दिन है। एक अविश्वसनीय टीम इंडिया द्वारा पहली बार थामस कप जीतने के लिए एक अविश्वसनीय उपलब्धि। गोल्ड जीतने के लिए कई मौकों पर कठिन परिस्थितियों से वापसी की। सभी खिलाड़ियों और कोचों पर गर्व है आप सभी चैंपियन है।

थामस कप में भारत की ऐतिहासिक जीत को कोच गोपीचंद ने १९८३ वर्ल्ड कप से बड़ी बताया

नई दिल्ली। भारतीय बैडमिंटन टीम ने आखिरकार वो कमाल कर दिखाया जिसकी शायद किसी ने कल्पना नहीं की होगी। 7 दशक के लंबे इंतजार के बाद बैंकाक में भारतीय टीम ने डिफेंडिंग चैंपियन और 14 बार थामस कप का खिताब जीत चुकी इंडोनेशिया को 3-0 से हराकर भारतीय बैडमिंटन को वो स्वर्णिम याद दी है जिसे शायद ही कोई खेल प्रेमी भूल पाएगा। भारत की इस जीत पर भारतीय बैडमिंटन में नई जान फूंकने वाले कोच पुलेला गोपीचंद ने उन लम्हों को अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है

जिसमें देश का राष्ट्रगाण बज रहा और तिरंगा सबसे ऊपर जा रहा है। उन्होंने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा है कि भारत ने पहला थामस कप जीत लिया है और थामस कप जीतने के मामले में भारत छठा देश बन गया है। उन्होंने टीवी टुडे नेटवर्क से बातचीत करते हुए भारतीय टीम के बैडमिंटन में इस उपलब्धि को क्रिकेट वर्ल्ड कप 1983 से भी बड़ा बताया है। उन्होंने कहा कि ठमैं कहना चाहूंगा कि बैडमिंटन के लिए लिए यह उपलब्धि 1983 वर्ल्ड कप से बड़ी है। मुझे लगता है कि किसी ने ये कल्पना नहीं की होगी कि हम इस तरह का बड़ा कुछ जीतेंगे सबसे ज्यादा बार थामस कप का खिताब इंडोनेशिया ने जीता है। डिफेंडिंग चैंपियन इंडोनेशिया अब तक सबसे अधिक 14 बार इस खिताब को जीत चुकी है। दूसरे नंबर पर चीन है जिसने 10 बार इस खिताब पर कब्जा किया है। मलेशिया ने 5 बार जबकि जापान और डेनमार्क ने 1-1 बार इस खिताब को जीता है। अब इस सूची में भारत ने भी जगह बना लिया है।

धवन की शानदार अर्धशतकीय पारी के दम पर पंजाब ने गुजरात को 8 विकेट से हराया

नई दिल्ली। पंजाब और गुजरात के बीच डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पंजाब ने शिखर धवन के 62 और लिविंग्सटन के विस्फोटक 30 रनों की पारी के दम पर गुजरात की टीम को 8 विकेट से हरा दिया है। पंजाब के सामने जीत के लिए 144 रनों का लक्ष्य था जो उसने 24 गेंद शेष रहते 2 विकेट खोकर बना लिया। 16वें ओवर में लिविंग्सटन ने मोहम्मद शमी के ओवर में 3 छक्कों और 2 चौकों सहित 28 रन बनाए। इस जीत के साथ ही पंजाब ने प्वाइंट्स टेबल में 10 अंकों के साथ 5वें नंबर पर जगह बना ली है इससे पहले गुजरात के कप्तान हार्दिक पांड्या ने टास जीतकर इस मैच में बल्लेबाजी करने का फैसला किया। गुजरात ने पहले बल्लेबाजी करते हुए साई सुदर्शन की संघर्षभरी नाबाद अर्धशतकीय पारी की मदद से 20 ओवर में 8 विकेट पर 143 रन बनाए। 144 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की टीम के लिए पारी की शुरुआत शिखर धवन और जानी बेयरस्टो ने की लेकिन तीसरे ओवर की दूसरी गेंद पर मोहम्मद शमी ने बेयरस्टो को सांगवान के हाथों कैच करा दिया। उन्होंने 1 रन बनाए। उसके बाद राजपक्षे और धवन ने दूसरे विकेच के लिए शानदार 87 रन जोड़े। पंजाब को दूसरा झटका राजपक्षे के रूप में लगा। उन्हें 40 रन के निजी स्कोर पर लाकी फर्ग्यूसन ने एलबीडब्लूयू आउट किया। पंजाब के खिलाफ गुजरात की शुरुआत निराश करने वाली रही और ओपनर बल्लेबाज शुभमन गिल का खराब फार्म जारी रही। वो 9 रन बनाकर रन आउट हो गए

तो वहीं उनके जोड़ीदार साहा को रबादा ने 21 रन पर मयंक अग्रवाल के हाथों कैच आउट कर दिया। हार्दिक पांड्या को ऋषि धवन ने एक रन पर जितेश शर्मा के हाथों कैच आउट करवा दिया। डेविड मिलर ने 14 रन की पारी खेली और उन्हें लियाम लिविंगस्टोन ने रबादा के हाथों कैच करवा दिया। राहुल तेवतिया को रबादा ने 11 रन पर कैच आउट करवा दिया और उनका कैच संदीप शर्मा ने पकड़ा तो वहीं राशिद खान खाता भी नहीं खोल पाए और गोल्डन डक पर आउट हो गए। राशिद खान को रबादा ने जितेश शर्मा के हाथों कैच करवा दिया। साई सुदर्शन ने 42 गेंदों पर छक्के के साथ अपना अर्धशतक पूरा किया। वहीं प्रदीप सांगवान को अर्शदीप सिंह ने 2 रन के स्कोर पर बोल्ड कर दिया। लाकी फर्ग्यूसन को 5 रन के स्कोर पर रबादा ने कैच आउट करवा दिया। साई सुदर्शन ने इस मैच में 50 गेंदों का सामना करते हुए एक छक्का और 5 चौकों की मदद से नाबाद 64 रन की पारी खेली। वहीं पंजाब की तरफ से कगिसो रबादा ने 4 ओवर में 34 रन देकर सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। रिद्धिमान साहा (विकेटकीपर), शुभमन गिल, साई सुदर्शन, हार्दिक पांड्या (कप्तान), डेविड मिलर, राहुल तेवतिया, राशिद खान, अल्जारी जोसेफ, प्रदीप सांगवान, लाकी फर्ग्यूसन, मोहम्मद शमी। मयंक अग्रवाल (कप्तान), शिखर धवन, जानी बेयरस्टो, भानुका राजपक्षे, लियाम लिविंगस्टोन, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), ऋषि धवन, कगिसो रबाडा, राहुल चाहर, अर्शदीप सिंह, संदीप शर्मा।

राशिफल

मेष-: आपको रुका हुआ धन मिलेगा और आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा. घर में कुछ बदलाव आपको काफी भावुक कर सकते हैं, लेकिन जो आपके लिए खास हैं, उनके सामने आप अपनी भावनाओं का इजहार कर पाएंगे।

वृष-: आज आपका मन पूजा-पाठ में अधिक लगेगा. आज आप अपने माता-पिता के साथ मंदिर जाने की योजना बना सकते हैं। कई दिनों से चली आ रही परेशानियां आज खत्म हो सकती हैं।

मिथुन-: परिवार के लिए आज का दिन शुभ है। आत्म विश्वास में वृद्धि होगी। बहुत उत्साहित रहेंगे। साहसिक कार्य करने से बचें। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। नौकरी में अधिकारियों का सहयोग मिलेगा।

कर्क-: आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा। अपने करीबी लोगों के सामने ऐसी बातें उठाने से बचें, जो उन्हें दुखी कर सकती हैं। प्रेम की दृष्टि से आज का दिन बेहद खास रहेगा।

सिंह-: आज का दिन लाभकारी रहेगा. आज आपके दोस्त आपके रुके हुए काम में आपकी मदद करेंगे। आज आपके शत्रु आपसे दूरी बनाए रखेंगे। आज आपको अपने किसी करीबी से खुशखबरी मिल सकती है।

कन्या-: आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं. जल्दबाजी में निर्णय न लें। व्यापार और व्यापार के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

तुला-: आपके घर से जुड़ा निवेश फायदेमंद रहेगा. यदि बातचीत और चर्चा आपके अनुसार नहीं है तो आप गुस्से में कड़वी बातें कह सकते हैं, जिसके बारे में आपको बाद में पछताना पड़ सकता है।

वृश्चिक-: आज आपका दिन राहत भरा रहने वाला है. आज आपके पारिवारिक जीवन में उत्साह का माहौल रहेगा। इस राशि के शायरों के लिए आज का दिन बेहद अहम रहने वाला है। आज आपको अपनी प्रतिभा का पुरस्कार भी मिल सकता।

धनु-: आज का दिन नया काम शुरू करने के लिए शुभ समय है. परिवार के सदस्यों के साथ मतभेद दूर कर आप अपने उद्देश्यों को आसानी से पूरा कर सकते हैं। प्रिय व्यक्ति से मेल-मिलाप होगा।

मकर-: आज का दिन विशेष है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण कार्य करने की क्षमता देगा. यदि आप आय में वृद्धि के स्रोतों की तलाश कर रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

कुंभ-: आज भाग्य साथ देगा. ऑफिस में आज का काम इस राशि के बिजनेसमैन को ज्यादा फायदा देने वाला है। यदि आप कोई नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं तो आज का दिन शुभ है। धन के साथ सुख आएगा।

मीन-: आज निर्णय न ले पाने के कारण नए कार्यों की शुरुआत करना आपके लिए शुभ नहीं है. आज आप रिश्ते में औपचारिकता बनाए रखेंगे, अन्यथा मनमुटाव होने की संभावना है। मनोबल से सभी कार्य पूर्ण होंगे।

मुंबई इंडियंस के इस बल्लेबाज से 12 साल की उम्र में मिले थे सुरेश रैना, असर ऐसा हुआ कि मचा रहा है धमाल

मुंबई। सुरेश रैना को निश्चित तौर पर याद नहीं होगा कि वह 2014 में उप्पल के एचसीए स्टेडियम में हैदराबाद के क्रिकेट कोच सलाम बायश या 12 साल के किसी बच्चे से मिले थे। चेनन्ई सुपरकिंग्स (सीएसके) को अगले दिन सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करना था और रैना ने इस दौरान 12 साल के नंबूरी ठाकुर तिलक वर्मा से पांच मिनट बात की और उसके साथ फोटो खिंचवाई। इस मुलाकात का तिलक वर्मा पर गहरा असर पड़ा। अब आठ साल बाद 20 साल के बायें हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा की बल्लेबाजी से निश्चित तौर पर रैना के चेहरे पर खुशी होगी। तिलक ने रविचंद्रन अश्विन पर रिवर्स स्वीप से छक्का भी जड़ा। बायश ने उस दिन को याद करते हुए कहा, 'मेरा एक मित्र स्थानीय मैनेजर था। मैंने अभ्यास देखने की स्वीकृति के लिए उसकी मदद की और तिलक को अपने साथ ले

गया।मुंबई इंडियंस की टीम में शामिल अपने शिष्य के बारे में इस कोच ने कहा, 'मुझे याद है कि तिलक सुरैना रैना को बल्लेबाजी करते हुए देखकर काफी प्रभावित था। उसने एक बार भी उस पर से आंख नहीं हटाई और रैना के प्रत्येक शाट को देखा। इसके बाद हमने उनके साथ तस्वीर खिंचवाई और मुझे लगता है कि रैना के साथ वह विशेष मुलाकात तिलक के यह फैसला करने के लिए पर्याप्त थी कि वह क्रिकेटर बनेगा।मुंबई इंडियंस को राजस्थान रायल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, लेकिन तिलक ने 61 रन की पारी खेलकर सभी का ध्यान खींचा। मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने भी उनकी सराहना की। तिलक के पिता बिजली का काम करते हैं। तिलक का मानना है कि 1.7 करोड़ रुपये का अनुबंध मिलने से उन्हें अपने माता-पिता को बेहतर जीवन देने में मदद मिलेगी। तिलक का कहना है कि उनके माता-पिता ने उनके सपने के साकार होने के लिए काफी बलिदान दिए हैं।

सम्पादकीय

वंशवादी राजनीति का ढलता सूरज, परिवारवाद की राजनीति से हो रहा जनता का मोहभंग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कटु आलोचक भी मानते हैं कि उन्होंने भारतीय राजनीति के व्याकरण को कई मायनों में बदला दिया है। परिश्रम, दक्षता और योग्यता तेजी से चाटुकारिता और परिवारवाद वाली राजनीति की जगह ले रही है। वैसे भी जो पार्टी लंबे समय तक सत्ता में रहती है, वही भविष्य के लिए खेल के नियम तय करती है। सभी छोटे खिलाड़ी उस फामरूले का अनुकरण करते हैं। कांग्रेस भी लंबे समय तक सत्ता में रही है। लिहाजा अधिकांश पाटिर्यों ने उसका अनुकरण किया। कांग्रेस ने भारतीय राजनीति को 'वंशवाद की राजनीति' का सूत्र सिखाया। बाल गंगाधर तिलक, मदन मोहन मालवीय, सुभाष चंद्र बोस और महात्मा गांधी सरीखे दिग्गजों ने कांग्रेस को एक आंदोलन के रूप में चलाया, लेकिन स्वतंत्रता के बाद वह नेहरू-गांधी परिवार की निजी संपत्ति मात्र बनकर रह गई। उसने समय के साथ खुद को देश के 'प्रथम-परिवार' के रूप में स्थापित कर लिया। नेहरू-गांधी परिवार को स्थापित करने की होड़ में कांग्रेस ने सरदार वल्लभभाई पटेल, डा. बीआर आंबेडकर और लाल बहादुर शास्त्री जैसे नेताओं को भी भुला दिया। पार्टी की कमान हमेशा नेहरू-गांधी परिवार के सदस्यों के बीच ही घूमती रहे। जब कभी पार्टी के किसी भी क्षेत्रीय नेता का कद यदि प्रथम-परिवार के सदस्यों से ऊंचा होने लगा तो उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं में यह भ्रम पैदा कर दिया गया कि प्रथम-परिवार के सदस्य ही कांग्रेस को एक साथ बांध कर रख सकते हैं। दुर्भाग्य से क्षेत्रीय क्षत्रपों ने भी कांग्रेस की इस नीति का अनुसरण किया। जम्मू-कश्मीर में मुफ्ती और अब्दुल्ला परिवार राज्य के प्रथम-परिवार बन गए। उत्तर प्रदेश और बिहार में मुलायम और लालू यादव परिवार प्रथम-परिवार बन गए। इसी तरह कर्नाटक में देवगौड़ा परिवार, महाराष्ट्र में ठाकरे एवं पवार परिवार, तमिलनाडु में करुणानिधि परिवार, तेलंगाना में केसीआर परिवार, आंध्र में नायडू एवं वाइएसआर परिवार ने अपनी-अपनी पाटिर्यों को पारिवारिक कंपनियों में बदल दिया। योग्यता पर प्रथम-परिवार को हावी रखने के लिए कांग्रेस को और कई चालें चलनी पड़ीं। पार्टी के प्रति प्रतिबद्ध नौकरशाही एवं न्यायपालिका, मैत्रीपूर्ण मीडिया, जातिगत राजनीति और अल्पसंख्यक तुष्टीकरण के माध्यम से चुनाव जीतने जैसे हथकंडे कांग्रेस के राजनीतिक व्याकरण का हिस्सा बन गए। निरंतर हार के बाद भी नेहरू-गांधी परिवार पार्टी के शीर्ष पर बना रहा। हद तो तब हो गई जब 2017 में राहुल गांधी ने वैश्विक स्तर पर वंशवाद की राजनीति का खुलकर बचाव किया। उन्होंने कहा कि पूरा भारत राजवंशों पर चलता है और इसमें कोई हर्ज नहीं है। हालांकि किसी के लिए माता-पिता के व्यवसाय का अनुसरण करना स्वाभाविक है। किसी महान क्रिकेटर के बेटे का घर के माहौल से क्रिकेट सीखना स्वाभाविक है। किसी दिग्गज अभिनेता के बेटे का फिल्मों में आना भी स्वाभाविक है। समस्या तब शुरू होती है जब क्रिकेटर का बेटा प्रतिभावान न होने पर भी दशकों तक टीम का कप्तान बना रहे या फिल्म स्टार के बेटे को कई फ्लाप फिल्में देने के बाद भी बड़े बैनरों की फिल्मों में काम मिलता रहे। कुछ इसी तरह राहुल गांधी, अखिलेश यादव, एचडी कुमारस्वामी जैसे नेता कई विफलताओं के बाद भी अपनी-अपनी पाटिर्यों को पारिवारिक कंपनियों के रूप में चला रहे हैं। इन परिवार आधारित-संचालित पाटिर्यों में जमीनी स्तर का कार्यकर्ता पार्टी का मुखिया बनने का सपना तक भी नहीं देख सकता है। भाजपा का चरित्र कुछ अलग नजर आता है। वह अपने नेताओं की 'योग्यता के आधार पर पदोन्नति' देती है। यही भाजपा की सफलता का आधार है। पिछले दो दशकों में भाजपा के नेतृत्व पर एक नजर डालने से यह स्पष्ट हो जाता है। जेपी नड्डा का अमित शाह से कोई पारिवारिक संबंध नहीं है। अमित शाह का राजनाथ सिंह से कोई संबंध नहीं है। राजनाथ सिंह का नितिन गडकरी या वेंकैया नायडू का लालकृष्ण आडवाणी से कोई संबंध नहीं है। वे सभी विभिन्न जातियों और देश के विभिन्न क्षेत्रों से आते है। इन सभी में केवल एक चीज समान है-और वह है योग्यता और परिश्रम। इसके विपरीत प्रथम-परिवारों के नेताओं के जीवन से परिश्रम और योग्यता दूर है। वे अपने परिवार के नाम के सहारे ही संसद या विधानसभा में है। नतीजतन 17वीं लोकसभा में राहुल गांधी की उपस्थिति 56 प्रतिशत, अखिलेश यादव की 33 प्रतिशत और अभिषेक बनर्जी की 13 प्रतिशत है।

महंगाई की मार

नोएडा इन दिनों महंगाई जिस तेजी से बढ़ रही है उसने आम आदमी का जीना दूभर कर दिया है। पेट्रोल, डीजल, सीएनजी, पीएनजी, एलपीजी, खादय तेल के लगातार बढ़ते दामों ने लोगों की कमर तोड़ने का काम किया है। पहले आपने देखा होगा कि दुकानों के बाहर लोग नीबू मिर्च की माला टांग देते थे जिससे अच्छी तरक्की हो और किसी की नजर ना लगे ऐसी मान्यता थी, लेकिन महंगाई की नजर खुद नीबू मिर्च को ही लग गई। नीबू जहां 300 रुपये किलो हो गया वहीं मिर्च भी और तीखी हो गई। अब बेचारा आम आदमी नजर उतारे या घर की नौका को पार उतारे। बेबस और लाचार नजरें कह रही है कि सरकार कुछ तो करो अब महंगाई की मार सही नहीं जा रही है। खाने पीने की सभी चीजें महंगी हो गई है चाहे वह सब्जियां हों या फिर खादय तेल। अप्रैल 2022 में कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (एइ) द्वारा जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार भारत की खुदरा महंगाई दर 8 वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। खुदरा महंगाई दर अप्रैल में बढ़कर 7.79 फीसदी हो गई है। पिछले चार महीने से यह लगातार बढ़ रही है। जनवरी माह में जहां खुदरा महंगाई दर 6.01 फीसदी थी वहीं फरबरी में 6.07 फीसदी और मार्च में बढ़कर 6.95 फीसदी हो गई। आरबीआई की अनुमानित खुदरा महंगाई दर की ऊपरी लिमिट 6 फीसदी के ऊपर ही रही है। अगर बात करें 2021 की तो खुदरा महंगाई दर 4.23 फीसदी थी वहीं 2014 में 8.32 फीसदी थी। खादय महंगाई दर अप्रैल 2022 में 8.38 फीसदी रही जबकि मार्च में 7.68 फीसदी थी और 2021 में 1.96 फीसदी थी। आंकड़े इस बात की गवाही दे रहे हैं कि महंगाई लगातार बढ़ रही है और सरकार महंगाई को नियंत्रित करने में असफल रही है।बढ़ती महंगाई के कारण आम जनता की क्रय शक्ति घट रही है। अप्रैल 2022 में खादय तेलों की कीमतों में 17.28 फीसदी का इजाफा हुआ वहीं सब्जियों की कीमतों में 15.41 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। शहरों के मुकाबले गांव की जनता को ज्यादा महंगाई की मार झेलनी पड़ी। अप्रैल 2022 के आंकड़े बताते हैं कि गांव में खुदरा महंगाई दर 8.38 फीसदी रही वहीं शहरों में 7.09 फीसदी रही। खादय महंगाई दर गांव में 8.50 फ़ीसदी रही वहीं शहर में 8.09 फीसदी रही। खाना बनाने के लिए आवश्यक एलपीजी सिलेंडर 1000 रुपये पर पहुंच गया है जिसे भरवाना आम आदमी के लिए दूर की कौड़ी साबित हो रहा है। पेट्रोल, डीजल के दाम 100 रुपये के ऊपर चल रहे हैं जिसने महंगाई की आग

में घी डालने का काम किया है। स्टील, सरिया, सीमेंट सहित निर्माण कार्य में लगने वाले अन्य सामान बहुत महंगे हो रहे हैं जिससे निर्माण कार्य की लागत बहुत बढ़ गई है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने माना है कि लगातार बढ़ती महंगाई से गरीब आदमी की क्रय शक्ति हवा होती जा रही है जबकि इसके उलट वित्त मंत्रालय ने हास्यास्पद बयान दिया है कि अमीर की तुलना में गरीब आदमी पर महंगाई का असर कम पड़ा है। उज्ज्वला योजना के अंतर्गत गरीबों को मुफ्त गैस सिलेंडर दिए गए थे लेकिन एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1000 हो गई है जिसके कारण गरीब आदमी को चूल्हा फूंककर खाना पकाने को मजबूर होना पड़ रहा है। रोजगार के अवसर घट रहे हैं और ऊपर से लगातार बढ़ती महंगाई की मार से आम आदमी की हालत पतली हो गई है। सरकार की चूक के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है और सरकार कुछ नहीं कर पा रही है। डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार लुढ़क रहा है , रुपया अपने निमन्तर स्तर 77.50 पर पहुंच गया है। दिसम्बर 2021 की शुरुआत में विदेशी मुद्रा भंडार 636.90 अरब डॉलर था जो 2022 में घटकर 600 अरब डॉलर से कम हो गया है जो कि हमारे लिए चिंता की बात है। मांग और आपूर्ति में असंतुलन के कारण ही महंगाई बढ़ती है। सरकार को महंगाई रोकने के लिए ठोस उपाय करने होंगे। सबसे पहले तो डीजल और पेट्रोल में लगने वाले बेतहाशा टैक्स को कम करना होगा जिससे आम आदमी को राहत मिल सके। डीजल पेट्रोल की कीमतों में कमी से माल ढुलाई की कीमतें कम होंगी जिससे अन्य वस्तुओं के दामों में कमी आएगी। ऐसे व्यापारियों पर भी लगाम लगानी होगी जो आपदा में अवसर की तलाश में रहते है और जमाखोरी कर आम आदमी के जेब पर डाका डालते है। महंगाई जनता पर वार कर रही है अब सरकार का दायित्व है कि महंगाई पर वार करे जैसा कि वह अपने चुनावों में वादा करती रही है।इस महंगाई के दौर में गरीब आदमी को अपने परिवार का भरण पोषण करना बड़ी चुनौती बन गया है। जहां सरषों का तेल 200 रुपये के पास हो, सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हों और आटा की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही हो ऐसे में लाचार ,बेबस आम आदमी करे तो करे क्या। देश तभी तरक्की करेगा और खुशहाल होगा जब अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति की पीड़ा का अहसास सरकार करेगी।

पुलिस लाईन वर्ल्ड हाईपरटेंशन दिवस (17 मई) के अवसर पर पुलिस एवं उनके परिजनों के नि:शुल्क फुल बॉडी हैल्थ चैकअप कराने का मेगा हैल्थ चैकअप कैम्प लगा

नोएडा आज कैंप में सभी पुलिस कमिर्यों को फ्री फुल बॉडी चेकउप (जिसमें किडनी, हार्ट, लिवर, डायबिटीज एवं खून की जांच, बीडीएम सम्मिलित थी) की सुविधा दी गयी। इसके अलावा उपस्थित लोगों ने सभी तरह के मुफ्त डॉक्टर परामर्श (फिजिशियन, चेस्ट फिजिशियन, कार्डियोलॉजी, गेस्ट्रो, कैन्सर, सर्जरी, गायनेकोलोजी, ईएनटी, स्किन, आई, ऑथी, फिजियोथेरेपी, चाइल्ड स्पेशलिस्ट, डेंटल एवं डाईटीशियन व अन्य) का भी लाभ उठाया । भारत में 70 प्रतिशत लोगों में हाईपरटेंशन बीमारी के लक्षण नहीं होते हैं। हालांकि 42 प्रतिशत शहरी और 25 प्रतिशत ग्रामीण लोगों हाईपरटेंशन की बीमारी से जूझ रहे है। वहीं 30 प्रतिशत मरीज ही दवा का प्रयोग करते हैं। समाज में हाइपरटेंशन की अवेयरनेस जरूरी है ताकि आगे होने वाले घातक परिणामों से बचा जा सके। काम को सीरियस लें पर खुद पर हावी न होने दें - श्री अलोक सिंह (पुलिस कमिशन्र , गौतमबुद्धनगर)

पुलिस कमिशन्र गौतमबुद्धनगर श्री अलोक सिंह ने सभी पुलिस कमिर्यों का मार्गदर्शन किया और कहा कि हम सभी को हाइपर टेंशन से दूर रहना है। हम सभी को इस खतरनाक बीमारी से बचने के लिए अपनी जीवन शैली में बदलाव करना होगा। हाइपरटेंशन या हाई ब्लड प्रेशर से अब किशोर और युवा भी पीड़ित हो रहे हैं. साइलेंट किलर के रूप में हाइपरटेंशन मौत का मुख्य कारण बन चुका है, उन्होंने सभी सह कमिर्यों को प्रेरित करते हुए कहा कि हम दिन रात बहुत बड़ी जिम्मेदारियों को निभाते-2 अपना ध्यान रखना भूल जाते है पर हमे हाइपर टेंशन जैसी बीमारियों को दूर रखने के लिए खुद के व्यायाम

पर भी ध्यान देना चाहिए। काम की शेडूलिंग से बनता है काम आसान - डॉ. डी. के. गुप्ता फेलिक्स अस्पताल के संस्थापक डॉ. डी. के. गुप्ता ने कहा कि काम को आसान बनाने के लिए हमे एक दिन पहले ही काम को कैलेंडर में शेडूल कर लेना चहिये इससे हमे काम करने में आसानी रहनी है और स्ट्रेस भी नहीं रहता। उन्होंने बताया कि हाइपरटेंशन को उच्च ब्लड प्रेशर के रूप में भी जाना जाता है। यह एक ऐसी स्थिति है जहां आपकी धमनी दीवार के खिलाफ खून की शक्ति अत्यधिक बढ़ जाती है, जिससे हृदय रोग जैसी स्वास्थ्य समस्याएं होती हैं। ब्लड प्रेशर आमतौर पर रक्त के स्तर से निर्धारित होता है जो दिल को पंप करता है। यदि धमनियां संकीर्ण हैं और दिल अत्यधिक मात्रा में रक्त पंप करता है, तो दबाव अधिक होता है। हाईपरटेंशन बिना किसी स्पष्ट लक्षण के कई सालों तक विकसित हो सकता है। जो उच्च ब्लड प्रेशर स्ट्रोक और दिल के दौरे जैसी जटिलताओं को जन्म दे सकता है, जिसमें समय पर इलाज नहीं होने पर मृत्यु हो सकती है। इसलिए इसकी अवेयरनेस अति आवश्यक है। रोजाना 30 मिनट का व्यायाम हाईपरटेंशन से रखेगा दूर - डॉ नूपुर जैन फेलिक्स अस्पताल की डॉक्टर नूपुर जैन ने कहा रोजाना तीस मिनट का व्यायाम और सही खानपान अचानक बढ़ना व घटना गुर्दे, आंखें व हृदय घात जैसी महत्वपूर्ण तंत्र को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। एक सामान्य व्यक्ति को भी नियमित रूप से अपनी जांच करानी चाहिए, क्योंकि यह साइलेंट किलर बीमारी है। बहुत से लोगों को इस बात का पता ही नहीं होता कि वह इसकी चपेट में आ चुका है। हाईपरटेंशन पर काबू करके दिल का दौरा, हृदय की विफलता, स्ट्रोक, परिधीय धमनी की बीमारी और गुर्दे की बीमारी जैसे खतरों से बचे रह सकते हैं। हाई बीपी के मरीज हाईपरटेंशन से बचा सकता है। जीवनशैली में बदलाव करके साइलेंट किलर से बचा सकता है। हाईपरटेंशन सभी को प्रभावित करता है। आज कल बढ़ता धूम्रपान भी इस बीमारी रूपी आग को हवा दे रहा है। उच्च रक्तचाप का भूलकर भी न करें ये गलतियां 1-वेट लिफ्टिंग, स्कूबा डाइविंग, स्काई डाइविंग, स्क्वैश और स्प्रिंट करना जैसी एक्टिविटीज हाई बीपी के मरीजों के लिए खतरनाक स्थितियां पैदा कर सकती हैं, इन्हें करने से बीपी काफी तेजी से बढ़ने लगता है। इन्हें अवॉयड करना चाहिए। इसके अलावा किसी एक्सरसाइज को करते समय अगर सिरदर्द, चक्कर, थकान या उल्टी जैसी परेशानी महसूस हो रही है, तो आपको उस एक्सरसाइज को फौरन बंद कर देना चाहिए. हाई बीपी के मरीजों को किसी विशेषज्ञ की सलाह लेने के बाद ही कोई एक्सरसाइज करनी चाहिए। हाईपरटेंशन के प्रमुख कारण.

-मोटापा -अधिक वजन-धूम्रपान -खराब जीवन शैली-अधिक नमक का सेवन-ज्यादा मात्रा में शराब का सेवन-हाईपरटेंशन का पारिवारिक इतिहास -अत्याधिक तनाव हाइपरटेंशन के लक्षण.-सिर दर्द-बेचैनी-थकान -अनिद्रा

-आक्रोश -घबराहट-चक्कर आना-शारीरिक एवं मानसिक परेशानी -धमनियों में रक्त का दबाव बढ़ जाना बचाव.-नियमित व्यायाम करें-धूम्रपान से दूर रहे-वजन को नियंत्रित रखें -तनाव और चिंता से दूर रहें-फल व सब्जियों का सेवन उदघाटन के समय ज्वाइंट पुलिस कमिशन्र, श्री लव कुमार, एडिशनल पुलिस कमिशन्र, मुख्यालय, श्रीमती भारती सिंह, पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय/लाईन/ग्रे0नो0 डॉ0 मीनाक्षी कात्यायन, पुलिस उपायुक्त यातायात श्री गणेश प्रसाद ,पुलिस उपायुक्त नोएडा श्री राजेश एस0, पुलिस उपायुक्त से0नो0 श्री हरीश चन्द्र, पुलिस उपायुक्त, अपराध श्री अभिषेक, अपर पुलिस उपायुक्त (स्टाफ अफसर) श्री आशुतोष द्विवेदी, अपर पुलिस उपायुक्त, ग्रे0नो श्री विशाल पाण्डेय, अपर पुलिस उपायुक्त, अभिसूचना श्री प्रद्युमन सिंह, अपर पुलिस उपायुक्त, मुख्यालय/लाईन, श्री इलामारन जी, सहायक पुलिस आयुक्त, लाइन अंकिता शर्मा, सहायक पुलिस आयुक्त श्री पी0पी0 सिंह, सहायक पुलिस आयुक्त श्री अब्दुल कादिर, प्रतिसार निरीक्षक, प्रथम श्री विक्रम सिंह चौहान, प्रतिसार निरीक्षक द्वितीय श्री अब्दुल रशीद खान, निरीक्षक परिवहन श्री गया शंकर शर्मा, एवं फेलिक्स हॉस्पिटल की वाइस प्रेसिडेंट डॉ0 हेमा लाल, सीनियर कंसल्टेंट डॉ0 अनिल ठकुवानी, डॉ0 रितेष अग्रवाल, डॉ0 प्रियदर्शिनी जितेन्द्र, डॉ. अनिल ठकवानी, डॉ. नूपुर जैन, डॉ. शिखा रानी, डॉ केशव गोयल, डॉ सौम्या अग्रवाल, डॉ. किरण सेठ, डॉ. योगिता, डॉ. रति , डॉ रिंकू, डॉ रितेश अग्रवाल, डॉ अदिति, डॉ चारु, डॉ. रूमाना और डॉ. नीरज एवं मार्केटिंग टीम से श्री शिवम मिश्रा उपस्थित थे। आयोजित कैम्प में फेलिक्स हॉस्पिटल से 09 चिकित्सक एवं 17 नर्सिंग/मार्केटिंग स्टॉफ द्वारा 375 पुलिस एवं उनके परिजनों के फुल बॉडी चैकअप किये गये है तथा विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा पुलिस कमिर्यों को स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के सम्बन्ध में परामर्श दिये गये।

एकतरफा नहीं हो सकती पंथनिरपेक्षता

हाल के दिनों में विभिन्न त्योहारों पर हिंसक टकराव की जैसी घटनाएं देखने को मिलीं वैसी इसके पहले कभी नहीं देखी गईं। इस सिलसिले के थमने के भी आसार नहीं दिख रहे। कुछ क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस इस स्थिति के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार है, क्योंकि वही है जो 2014 में केंद्रीय सत्ता से बेदखल होने के बाद सांप्रदायिक माहौल खराब होने और संविधान एवं कानून के खिलाफ काम होने का आरोप लगाती रहती है। एक अजीब मनोदशा से पीड़ित गांधी परिवार यही साबित करने पर तुला हुआ है उसकी सत्ता छिनने के बाद देश का सामाजिक तानाबाना छिन्न-भिन्न हो गया है। यह निरा झूठ है। सच यही है कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के समय से ही पार्टी की नीतियों में हिंदू-विरोधी का भाव दिखने लगा था और अब पार्टी उसी पाप की कीमत चुका रही है। भले ही 1947 में देश का धार्मिक आधार पर विभाजन हो गया हो, लेकिन भारत में हिंदू बहुसंख्यकों ने देश को पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक राष्ट्र बनाने पर पूरा जोर दिया। एक विविधतापूर्ण उदार समाज बनाने के प्रति हिंदुओं की इस असाधारण प्रतिबद्धता को कांग्रेस ने न तो कभी मान्यता दी और न ही उसका सम्मान किया। इसके बजाय पार्टी ने हिंदू परंपराओं का मखौल उड़ाया। वहीं अन्य पंथ-मजहबों की निंदा योग्य मान्यताओं पर भी आंखें बंद रखीं। यह तभी दिख गया था, जब नेहरू हिंदू कोड बिल को आगे बढ़ाने के इच्छुक और मुस्लिम एवं अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों में ऐसे ही सुधारों को लागू कराने के अनिच्छुक दिखे। यही समस्या का आरंभिक बिंदु था। जब हिंदुओं ने पंथनिरपेक्ष लोकतांत्रिक राज्य का विकल्प चुना तो कांग्रेस को चाहिए था कि वह भारत में सभी समुदायों के लिए समान नागरिक संहिता सुनिश्चित करती, जो सभी समुदायों के लिए मार्गदर्शक बनती। जो लोग किसी भी सूरत में मुस्लिम पर्सनल ला कायम रखना चाहते थे, उनके लिए पाकिस्तान का विकल्प था, परंतु नेहरू ने इनमें से कोई भी दांव नहीं आजमाया। इसके बजाय उन्होंने और उनकी पार्टी ने पहले दिन से ही मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति अपनाई। कांग्रेस को यही मुस्लिम वोट बैंक स्थायी दिखने लगा और उसे अपना मूल सिद्धांत मान लिया। साथ ही साथ हिंदुओं को हल्के में लेना शुरू कर दिया और उनके स्वाभिमान पर आघात किया। चूंकि नेहरू स्वतंत्रता संघर्ष के प्रमुख नेता और कद्दावर व्यक्तित्व के स्वामी थे तो हिंदुत्व के प्रति उनके तिरस्कार भाव ने हिंदुओं को अपने धर्म एवं संस्कृति के प्रति हीन भावना से भर दिया। इसके बाद अन्य दल भी मुस्लिम वोट की इस बंदरबांट में शामिल हो गए और उन्होंने कांग्रेस के इस खजाने में भरपूर सेंध लगाते हुए अपनी राजनीतिक जमीन को मजबूत किया। हिंदू केवल उदासी के साथ बेबस होकर यह सब देखते रहे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संगठन और उसकी राजनीतिक इकाई जनसंघ को छोड़कर कोई भी हिंदू हितों के लिए आवाज उठाने वाला नहीं था।

समान संस्कृति वाले पड़ोसी होने के कारण भारत और नेपाल में जैसे रिश्ते होने चाहिए, उनकी उम्मीद अब बढ़ी

पधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नेपाल यात्रा दोनों देशों के संबंधों में नई ऊर्जा का संचार करने में सफल रही। वह बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर लुंबिनी गए। इससे कुछ दिन पहले नेपाल के पधानमंत्री शेर बहादुर देउबा भी जब भारत आए थे तो काशी गए थे। मोदी और देउबा की यात्राओं के लिए जिस तरह समय और स्थान का निर्धारण किया गया, उसे महज संयोग नहीं कहा जा सकता। जिस तरह दोनों देशों ने अपने नेताओं के दौरे में धार्मिक महत्व के नगरों को शामिल किया, उसका असल उद्देश्य बहुत गहरा और दूरगामी परिणाम देने वाला है। भारत वास्तव में नेपाल का बहुत पुराना सहयोगी रहा है। दोनों के बीच रोटी और बेटी का रिश्ता है। सांस्कृतिक रूप से भी दोनों के बीच खासे गहरे संबंध है। इसके अलावा धार्मिक-सांस्कृतिक दृष्टि से भी भारत का नेपाल के साथ एक अटूट रिश्ता है, लेकिन पिछले कुछ समय से जिस तरह चीन भारत के पड़ोस में अपनी पैठ जमाने की कोशिशों में जुटा हुआ है, उससे भारत के सामरिक हलकों में कुछ सवाल उठते रहे है। यह बहुत स्वाभाविक भी है। यह किसी से छिपा नहीं कि चीन नेपाल की ढांचागत परियोजनाओं में काफी रुचि ले रहा है। नेपाल में अपना प्रभाव बनाए रखने के लिए अब वह निवेश के साथ-साथ धार्मिक कूटनीति का भी सहारा ले रहा है। महात्मा बुद्ध के कारण लुंबिनी दुनिया भर के बौद्ध अनुयायियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। बौद्ध धर्मावलंबियों को आकर्षित करने के लिए चीन पिछले एक दशक से लुंबिनी में निवेश कर रहा है। उसने वहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण किया है। अब वह लुंबिनी में विश्व शांति केंद्र की स्थापना कर रहा है। ऐसे में भारत के लिए यह जरूरी हो गया था कि वह चीन की इस नीति की प्रभावी काट करके लुंबिनी में अपना प्रभाव बढ़ाए। मोदी की लुंबिनी यात्रा को इसी कवायद से जोड़कर देखा जा रहा है। इस यात्रा के दौरान मोदी ने लुंबिनी में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर फार बौद्ध कल्चर एंड हेरिटेज की नींव रखी। मोदी ने अपने लुंबिनी दौरे की शुरुआत माया देवी मंदिर में दर्शन के साथ की। मान्यता है कि यहीं महात्मा बुद्ध का सिद्धार्थ के तौर पर जन्म

हुआ था। मोदी-देउबा द्विपक्षीय वार्ता के दौरान भारत द्वारा नेपाल में संचालित की जा रही परियोजनाओं को तय समय पर पूरा करने के लिए उनकी प्रगति की समीक्षा की गई। भारत इस समय नेपाल में बिजली परियोजनाओं, संचार एवं डिजिटल समेत कई क्षेत्रों में काम कर रहा है। इसके अलावा भारत और नेपाल के बीच बिजली उत्पादन के क्षेत्र में भी समझौता हुआ। भारत और नेपाल के विभिन्न विश्वविद्यालयों के बीच कई समझौते हुए। उच्च शिक्षा के लिहाज से ये समझौते काफी अहम माने जा रहे है। दोनों नेताओं के बीच सुरक्षा संस्थाओं के मामले में बेहतर तालमेल और सहयोग के मुद्दे पर भी वार्ता हुई। ध्यान रहे कि पिछली ऐसी वार्ता में मोदी ने साफ कहा था कि भारत-नेपाल खुली सीमाओं का अवांछित तत्वों द्वारा किए जा रहे दुरुपयोग को रोकने के लिए सुरक्षा संस्थाओं के बीच सहयोग होना चाहिए। 2015 में नेपाल में कम्युनिस्ट सरकार आने के बाद भारत-नेपाल संबंधों पर संशय के जो बादल मंडरा रहे थे, वे तब और गहरा गए थे, जब तत्कालीन नेपाल सरकार ने भारत विरोधी रवैया अपना लिया था। नवंबर 2019 में भारत-नेपाल संबंधों में उस वक्त तनाव उत्पन्न हो गया था जब नेपाल के तत्कालीन प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने कालापानी इलाके पर कहा था कि भारत को इस क्षेत्र से अपनी सेना हटा लेनी चाहिए। 2020 में भारत-नेपाल रिश्ते उस वक्त और बिगड़ गए, जब ओली ने कालापानी, लिपुलेख और लपियाधुरा जैसे विवादित क्षेत्रों को नेपाल का हिस्सा बताने वाला नक्शा जारी किया। ये सभी इलाके भारत की सीमा में हैं। भारत शुरू से ही इस नक्शे को खारिज करता रहा है। सीमा संबंधी मुद्दे उछालने के अलावा ओली ने अपने कार्यकाल के दौरान ऐसे कई बयान दिए, जिनसे भारत-नेपाल रिश्तों में खटास उत्पन्न हुई। जुलाई 2020 में ओली ने भगवान श्रीराम की जन्मस्थली अयोध्या पर प्रश्न उठाते हुए कहा था कि भारत ने सांस्कृतिक अतिक्रमण करने के लिए वहां फर्जी अयोध्या का निर्माण कराया है। जबकि असली अयोध्या तो नेपाल के बीरगंज में है। इसी प्रकार जब दुनिया कोरोना संकट से गुजर रही थी, तब भी ओली ने भारत के खिलाफ विवादित बयान दिया। वन बेल्ट-वन रोड परियोजना में चीन का सहयोगी होने और व्यापारिक हितों के कारण भी नेपाल का झुकाव चीन की ओर है। 2019 में काठमांडू में हुए बिम्सटेक सम्मेलन में पीएम मोदी ने सदस्य देशों के सामने सैन्य अभ्यास का प्रस्ताव रखा था, लेकिन चीन के दबाव के चलते नेपाल ने सैन्य अभ्यास में भाग लेने से इन्कार कर दिया था।

संक्षिप्त समाचार

सेवा सहकारी समिति जुरा वितरण केन्द्र तिलौरा में सरकारी स्कूलों के प्राइमरी , मिडिल स्कूली बच्चों को बाटी गई मूंग

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। मध्यप्रदेश सतना जिले के मैहर विकासखंड अंतर्गत सेवा सहकारी समिति जुरा वितरण केन्द्र तिलौरा मे भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यसमित सदस्य विष्णुनाथ पाण्डेय की अध्यक्षत मे किया गया मूंग वितरण गमिर्यो में अवकाश के दिनों में हर साल बच्चों के लिए कुछ न कुछ शिवराज सरकार नया कर रही है। इसी क्रम में इस साल कक्षा एक से पांचवीं तक के बच्चों को 10 किलो और कक्षा 6 से लेकर 8 तक के बच्चों को 15 किलो मूंग का वितरण किया गया है। शासकीय प्राथमिक शाला तिलौरा बच्चों की संख्या 236, जीपीएस स्कूल तिलौरा बच्चों की संख्या 91, जीपीएस सिलौटी बच्चों की संख्या 34, जीपीएस सिलौटी भटिया बच्चों की संख्या 10 कुल बच्चों की संख्या 371 रही वही सेवा सहकारी समिति जुरा वितरण केंद्र तिलोरा में बुलाए गए सम्मानित श्री धीरज यादव, श्री महेंद्र पाठक, ग्राम पंचायत रोजगार सहायक राम सिंह शिक्षक दयाराम रजक शिक्षक नंद कुमार सोनी शिक्षिका जमुना सिंह शिक्षिका क्षमा पांडे स्व सहायता समूह अध्यक्ष गायत्री यादव आदि गांव के बच्चो के अविभावक वा आम जन मानस भारी संख्या में उपस्थित रहे। वितरण केंद्र आम जन मानस को सम्बोधित करते हुए श्री विष्णुनाथ पाण्डेय

ने कहा कि मध्यप्रदेश की शिवराज सरकार कुपोषण से बचाने के लिए तरह-तरह की योजनाएं आम जनता को प्रदान कर रही है इसके पहले मध्यप्रदेश शासन की तरफ से गरीब कमजोर वर्ग व कुपोषित बच्चों के लिए इस तरह से मदद नहीं की गई जोकि एक सराहनीय कार्य मध्य प्रदेश की सरकार कर रही है ऐसी सरकार का हम वा हमारे प्रदेश की आम जनता सरकार से काफी खुश है।

परिवार को नशीला पदार्थ खिला बहू फरार चार की हालत बिगड़ी

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। थाना दनकौर के जुनैदपुर गांव में चार एक ही परिवार के चार लोगों की बेहोशी की हालात में

चारों को जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक घर की बहू ने सब्जी में नशीला पदार्थ मिलाकर बच्चों समेत रविंद्र नाम के शख्स के साथ कहीं चली गई है। पुलिस को इस सम्बन्ध में तहरीर मिल गयी है। पुलिस आवश्यक कार्यवाही कर रही है। एडीसीपी विशाल पांडेय ने बताया थाना दनकौर क्षेत्र के अन्तर्गत जुनैदपुर ग्राम के 01 ही परिवार के 03 भाइयों व उनकी माता जी को खाना खाने के बाद बहोशी की हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसमें सभी पीड़ितों की हालत स्थिर बनी हुयी है, प्रथम दृष्टया घर की बहू ने सब्जी में नशीला पदार्थ मिलाकर खाना खिला दिया और अपने बच्चे के साथ ग्राम के ही व्यक्ति के साथ कही चली गयी है। इस प्रकरण के सम्बन्ध में थाना दनकौर पुलिस द्वारा तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

बाइक सवार बदमाशों ने हथियार की नोक पर व्यापारी को लूटा

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। दनकौर क्षेत्र के कनारसी गांव के पास रविवार रात बाइक सवार तीन बदमाशों ने ड्राई फ्रूट्स व्यापारी से हथियारों के बल पर 15 हजार लूट लिए। विरोध करने पर पीड़ित व्यापारी के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देते हुए बदमाश फरार हो गए। पीड़ित व्यापारी ने मामले की शिकायत दनकौर कोतवाली पुलिस से की है। जानकारी के मुताबिक बुलंदशहर के सिकंदराबाद निवासी गवर्नर सोलंकी ड्राई फ्रूट्स व्यापारी है। वह झाझर, दनकौर और बिलासपुर समेत अन्य कस्बों में माचिस व ड्राई फ्रूट आदि की सप्लाई करते हैं। रविवार शाम वह दनकौर कस्बे में दुकानदारों से माल की उधारी लेने के लिए आए थे। कस्बे से करीब 15 हजार रुपये उधारी के मिले थे। देर शाम वह रुपयों को बैग में रख बाइक से घर लौट रहे थे। कनारसी गांव के समीप बाइक सवार तीन अज्ञात बदमाशों ने उनकी बाइक को ओवरटेक कर रोक लिया। जब तक पीड़ित कुछ समझ पाते उससे पहले ही उनकी कनपटी पर तमंचा तान दिया। आरोप है कि इस दौरान एक बदमाश ने उनसे बैग छीन लिया। आरोप है कि विरोध करने पर उनके साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देते हुए बदमाश फरार हो गए। पीड़ित ने बताया कि बदमाशों ने अपना चेहरा छिपा रखा था। घटना के बाद पीड़ित दनकौर कोतवाली पहुंचा और पुलिस से मामले की शिकायत की गई। दनकौर कोतवाली प्रभारी राधा रमण सिंह का कहना है कि जल्द ही घटना का पर्दाफाश होगा। पुलिस की दो टीमें लगी हुई हैं।

जे एस डी धर्म पब्लिक स्कूल के बच्चों ने मिट्टी दोहन रोकने एवं पर्यावरण बचाने का दिया संदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जे एस डी धर्म पब्लिक स्कूल के बच्चों ने मिट्टी दोहन रोकने और पर्यावरण बचाने का संदेश दिया। सदुरु फाउंडेशन द्वारा चलाई जा रही मुहिम में जे एस डी धर्म पब्लिक स्कूल के बच्चों ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिख कर मिट्टी दोहन को समाधान करने की बात कही। इस दौरान स्कूल की प्रधानाचार्या संतोष सिह, सरिता भाटी , जुली ने बच्चों को इस विषय पर व्यापक जानकारी देते हुए उन्हें पर्यावरण व मिट्टी को बचाने की शपथ दिलाई। गौरतलब है कि कृषि योग्य भूमि का अत्यधिक दोहन किए जाने से मिट्टी में पोषक तत्वों की कमी आ गयी है। जानकारी के अनुसार मिट्टी में मुख्य पोषक तत्व नाइट्रोजन, फास्फोरस और पोटाश की कुछ क्षेत्रों में 40 से 50 फीसदी तक कमी हो गई है। सूक्ष्म पोषक तत्व जिंक, लोहा, सल्फर और कैल्शियम की मात्रा हर साल घटती जा रही है। मिट्टी की सेहत खराब होने के कारण फसलों में पोषक तत्व कम होने शुरू हो गए हैं, जिससे लोगों की सेहत पर व्यापक असर होगा। इसी सन्दर्भ में सदगुरु फाउंडेशन द्वारा चलाई जा रही है। इस मुहिम में जे एस डी धर्म पब्लिक स्कूल के बच्चों ने प्रधानमंत्री को चिट्ठी लिख कर अपील की है कि इस समस्या के समाधान के लिए नीति बनाई जाए। सदगुरु फाउंडेशन पूरे भारत के स्कूली बच्चों को इस मुहिम में जोड़ रहा है।

ऑफिसर ऑफ द कोर्ट कहलाने वाले अधिवक्ता को अराजक बताकर किया समस्त अधिवक्ता समाज का अपमान

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। समाजवादी पार्टी के यूवजन सभा के राष्ट्रीय सचिव व

अधिवक्ता अमित यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार में विशेष सचिव के पद पर तैनात प्रफुल्ल द्वारा अधिवक्ताओं को अराजक बताने पर घोर निंदा की है, उन्होंने कहा की विद्वान कहलाने वाले अराजक कैसे हो सकते हैं, जिन्हें ऑफिसर ऑफ द कोर्ट कहा जाता है न्यायालय भी उन्हें सम्मान से विद्वान कहकर संबोधित करते हैं ऐसे अधिवक्ता शासन और प्रशासन की नजर में अराजक कैसे हो सकते हैं, विशेष सचिव प्रफुल्ल कमल द्वारा विद्वान समाज को अपमानित करने का काम किया गया है, जिससे प्रदेश व देश के सभी अधिवक्ताओं में रोष व्याप्त है माननीय मुख्यमंत्री जी को संज्ञान लेते हुए ठोस कार्रवाई करनी चाहिए, यदि सरकार द्वारा इस मामले पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है जो अधिवक्ता समाज विशेष सचिव प्रफुल्ल कमल के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के लिए विवश हो जाएगी।

फोर्टिस अस्पताल पर पीडित के परिजनों ने इलाज के नाम पर लाखों रुपए ठगने क लगाए गंभीर आरोप

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। सेक्टर 62 फोर्टिस अस्पताल पर युवक को सही इलाज ना मिलने पर और बीमारी के प्रति अस्पताल द्वारा कराई गई जांच रिपोर्ट को समय पर ना देने पर परिजनों ने हंगामा किया। पीडित युवक संजय की पतने ने बताया कि उसने अपने पति के स्वास्थ्य खराब हो जाने पर 24 तारीख को फोर्टिस अस्पताल में लाए थे तब से और ज्यादा हमारे मरीज का स्वास्थ्य बिगड़ गया था इस वजह से हम ने आनन-फानन में अपने मरीज के लिए दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया पीडित युवक के परिजन फोर्टिस अस्पताल द्वारा पीडित युवक के बीमारी के प्रति किए गए टेस्ट की रिपोर्ट लेने के लिए कई बार चक्कर फोर्टिस अस्पताल के लगा चुके थे

फोर्टिस अस्पताल में दिखाने के लिए लाए तो वहां पर अस्पताल के सीनियर डॉक्टर अजय भल्ला द्वारा कहा गया कि इनका ऑपरेशन करना होगा उसके बाद महिला ने अपने पति को हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया पीडित महिला ने बताया कि डॉ अजय भल्ला ने कहा कि ऑपरेशन करने से पहले टेस्ट करने होंगे जिसके लिए लगभग 54 हजार लगेंगे पीडित महिला ने जैसे-तैसे कर टेस्ट के नाम पर 57000 रूपये दे दिए पैसे देने के बाद भी फोर्टिस अस्पताल ने महिला के पति का कोई भी टेस्ट नहीं किया ऐसा महिला ने फोर्टिस अस्पताल पर आरोप लगाया है । पीडित युवक के परिजनों ने तो फोर्टिस अस्पताल पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब लेकिन सोमवार को परिजन पीडित युवक संजय की टेस्ट की रिपोर्ट लेने फोर्टिस अस्पताल गए तो अस्पताल के लोगों ने रिपोर्ट देने में आनाकानी करने लगे जिसके बाद काफी विवाद बढ़ गया फिर परिजनों ने फोर्टिस अस्पताल के अंदर फोर्टिस अस्पताल के नाम से चोर और फोर्टिस अस्पताल को ठग का नाम लेकर नारे लगाकर विरोध प्रदर्शन करने लगे फिर परिजनों ने 112 पर कॉल कर प्रशासन को भी बुलाया जिसके बाद मामला थाना 58 थाने मे पहुंच गया। फिर परिजनों ने फोर्टिस अस्पताल के ऊपर टेस्ट की रिपोर्ट सही ना देने और इलाज के नाम पर मोटी रकम ठगने का गम्भीर आरोप लगाया है।

पुलिस कमिश्नर के निर्देशानुसार सभी जोन के डीसीपी, सभी एडीसीपी के नेतृत्व में सभी एसीपी व थाना प्रभारी द्वारा पुलिस बल के साथ अपने क्षेत्रों में वाहनो की चेकिंग करने के आदेश

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। पुलिस कमिश्नर के निर्देशानुसार सभी जोन के डीसीपी, सभी एडीसीपी के नेतृत्व में सभी एसीपी व थाना प्रभारी द्वारा पुलिस बल के साथ अपने-अपने क्षेत्रों में पैदल मार्च किया गया। पैदल मार्च के दौरान सभी थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने वाले व्यक्तियों की चेकिंग की गई। पुलिस अधिकारियों द्वारा चेकिंग के दौरान लोगों को कोविड प्रोटोकॉल का पालन करने और मास्क पहनने के लिए समझाया गया और नियमों का पालन ना करने पर विधिक कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई। सड़क पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों को भी सड़क पर अतिक्रमण न करने एवं अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई। सड़क, मॉल व सर्राफ की दुकानों पर सुरक्षा व्यवस्था को चेक किया गया और वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। विशेष अभियान चलाते हुए बैरिकेडिंग लगाकर संदिग्ध वाहनों/व्यक्तियों की चेकिंग भी की जा रही है। साथ ही साथ महिलाओं को पुलिस सहायता कार्ड भी वितरित किये गये है जिसमें पुलिस हेल्प लाइन नम्बरों की सूची उपलब्ध होती है। जिससे किसी भी कठिनाई एवं परेशानी में महिलाओं द्वारा उक्त साझा किये पुलिस सहायता कार्ड में उपलब्ध नम्बरों पर सूचना व अपनी परेशानी से पुलिस को अवगत कराया जा रहा है।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत 143412 पारम्परिक कारीगरों ने स्थापित किया स्वरोजगार.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के पारम्परिक कारीगरों जैसे- बढ़ई, दर्जी, टोकरी बुनकर, नाई, सुनार, लोहार, कुम्हार, हलवाई, मोची, राजमिस्त्री एवं हस्तशिल्पियों के आजीविका के साधनों का सुदृढ़ीकरण करने, विकास, हस्तशिल्प की कला को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के प्राथमिक बिन्दुओं में से एक ''विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना'' दिनांक 26.12.2018 से संचालित की गई है। इस योजनान्तर्गत कारीगरों को छोटे उद्योग स्थापित करने के लिए 10 हजार रूपये से 10 लाख रूपये तक ऋण/आर्थिक सहायता प्रदेश सरकार द्वारा दी जाती है। मुख्यमंत्री जी द्वारा राज्य के मजदूरों/कारीगरों के विकास और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए यह योजना चालू की गई है। इस योजना के अंतर्गत आच्छादित पारम्परिक कारीगरों एवं दस्तकारों को उद्यम के आधार पर एक साप्ताहिक कौशल वृद्धि हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम निःशुल्क एवं आवासीय है। प्रशिक्षण अवधि में प्रशिक्षुओं को श्रम विभाग द्वारा जारी अर्धकुशल श्रमिक के मजदूरी के आधार पर मानदेय दिया जाता है। वर्तमान में रू0 250/- प्रति प्रशिक्षणार्थी प्रति दिन के अनुसार मानदेय दिया जाता है। कौशल वृद्धि प्रशिक्षण कार्यक्रम के उपरान्त सभी प्रशिक्षणार्थियों को उन्नत किस्म के टूलकिट का वितरण किया जाता है। उपर्युक्त व्यवस्था के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं टूलकिट प्राप्त कर चुके लाभार्थियों में से ऋण सुविधा हेतु इच्छुक लाभार्थियों को प्रधानमंत्री मुद्रा योजनान्तर्गत ऋण उपलब्ध कराया जाता है। अब तक इस योजनान्तर्गत लगभग 66300 लाभार्थियों को रू0 372.00 करोड़ मुद्रा योजना के अंतर्गत प्रदेश के विभिन्न बैंकों को आवेदन प्रेषित कर ऋण उपलब्ध कराये गये हैं। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजनान्तर्गत आवेदक की उम्र 18 वर्ष होनी चाहिए तथा 30प्र0 का निवासी होना चाहिए। पिछले वर्षो में आवेदक द्वारा सरकार से टूलकिट्स योजना संबंधी कोई लाभ प्राप्त न किया हो। पात्रता हेतु जाति एक मात्र आधार नहीं होगा, कोई भी इच्छुक व्यक्ति आवेदन कर सकता है। आवेदन करने के लिए विभागीय बेवसाइट पर ऑनलाइन फार्म भरना होता है। जिसमें आधार कार्ड, पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, बैंक एकाउन्ट नम्बर, फोटो आदि अभिलेख संलग्न करना पड़ता है। प्रदेश में विभिन्न ट्रेडस में प्रशिक्षण प्राप्त कर लाभार्थियों ने अपना स्वरोजगार स्थापित कर लिया है। उनकी आर्थिक प्रगति हो रही है। ऐसे लाभार्थी अन्य लोगों को भी रोजगार दे रहे है। प्रदेश में सरकार ने वर्ष 2021-22 तक बढ़ई ट्रेड के अंतर्गत 18040, दर्जी ट्रेड के अंतर्गत 42471, टोकरी बुनकर ट्रेड के अंतर्गत 5975, नाई ट्रेड के अंतर्गत 13135, सुनार ट्रेड के अंतर्गत 5910, लोहार ट्रेड के अंतर्गत 11164, कुम्हार ट्रेड के अंतर्गत 8222, हलवाई ट्रेड के अंतर्गत 21090, मोची ट्रेड के अंतर्गत 5824, राजमिस्त्री ट्रेड के अंतर्गत 10811, हस्तशिल्पी ट्रेड के अंतर्गत 770 लोगों को प्रशिक्षण देते हुए टूलकिट्स वितरण व ऋण सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

कार्यालय पुलिस अधीक्षक सायबर क्राईम सेल जिला शहडोल मध्यप्रदेश ङसायबर एडवाईजरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
दुर्गेश कुमार गुप्ता

शहडोल। डेबिट कार्ड से राशी आहरण हेतु किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना ओ.टी.पी. शेयर नहीं करें। ऑनलाईन फ्रॉड से बचने के लिए भारत सरकार द्वारा जारी टॉल-फ्री नम्बर 1930 पर कॉल करें। कोई भी अनाधिकृत लोन एप अपने मोबाईल में डाउनलोड नहीं करें। ऐसे अनाधिकृत लोन एप डाउनलोड करने के पूर्व आपके कॉन्टेक्ट्स(ब्वदजंबजे) मेसेजेस और गैलरी की परमिशन मांगते है। यह परमीशन नहीं देने पर यह एप आपके मोबाईल में डाउनलोड नहीं होगा। लोन रिपेमेन्ट नहीं होने पर ऐसे अनाधिकृत लोन देने वाले एप एडमिनिस्ट्रेटर आपकी गैलरी के फोटो की मॉर्फिंग कर आपकों पोर्न वीडियों या पोर्न फोटोज से आपकों बदनाम कर मुहमांगी राशि की मांग कर सकते है। किसी भी अनजान एप का गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड करने पर उसे कॉनटेक्ट्स, मेसेज और गैलरी की परमिशन एलॉउ नहीं करें। किसी भी अनजान व्यक्ति या दुकानदार, मर्चेन्ट इत्यादि को अपना व्यक्तिगत आधार कार्ड, स्थाई लेखा संख्या (च.छ) एवं अन्य झल्ब् दस्तावेज शेयर नहीं करें। गूगल सर्च इंजिन से प्राप्त टॉल-फ्री नम्बर को पहले वेरीफाय करें एवं इसके बाद ही इस नम्बर पर विश्वास करें। किसी भी कम्पनी का टॉल फ्री नम्बर प्राप्त करने के लिए उस कम्पनी की अधिकृत वेबसाईट से ही यह नम्बर प्राप्त करें। सभी कम्पनी के टॉल फ्री नम्बर सामान्यतः 1800- से प्रारंभ होते है। ऐसे नम्बरों के बाद कम्पनी के नाम से आने वाले किसी भी मोबाईल नम्बर पर विश्वास नहीं करें। किसी भी अनजान व्यक्ति के कहने पर रिमोट एक्सेस एप्लीकेशन, टीम व्यूअर, ऐनी डेस्क, ऐयर ड्रॉप इत्यादि को इंस्टॉल नहीं करें। पूर्व से इन्स्टॉल किये गये रिमोट एक्सेस एप्लीकेशन की आय.डी. और पासवर्ड किसी अनजान व्यक्ति को शेयर नहीं करें। किसी भी अनजान महिला या पुरूष को फेसबुक, इंस्टाग्राम अथवा व्हॉट्सएप पर इन्टरटेन नहीं करें। किसी भी अनजान महिला या पुरूष के बारम्बार आग्रह करने पर कोई न्यूड वीडियों कॉल इत्यादि नहीं करें ऐसा करने से आप गंभीर वित्तीय धोखाधडी एवं सामाजिक बदनामी के शिकार हो सकते है।

नहर में डूबे युवक का शव मिला

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। दनकौर खेरली गांव स्थित गंग नहर में तीन दिन पहले नहाते वक्त डूबे युवक का शव मंगलवार को मिल गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बुलंदशहर जिले की सिकंदराबाद कोतवाली के सांवली गांव निवासी वर्षीय बबली रविवार की शाम अपने तीन दोस्तों के साथ गंग नहर में नहाने गया था। नहाते समय तीनों दोस्त डूब गए थे। लोगों ने दो युवकों को बचा लिया था जबकि बबली डूब गया था। दनकौर पुलिस और एनडीआरएफ की टीम गंग नहर में उसकी तलाश कर रही थीं। नहर में मंगलवार को बबली का शव मिल गया। इस बारे में दनकौर कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मृतक परिवार की तरफ से कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर मामले में जांच कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

महिला आयोग की अध्यक्षा विमला बाथम 19 मई को कलेक्ट्रेट सभागार में करेंगी महिला जन सुनवाई

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिलाधिकारी सुहास एलवाई के निर्देशों के क्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल कुमार सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 19 मई को 11:00 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की माननीय अध्यक्षा विमला बाथम संबंधित विभाग के अधिकारियों साथ महिलाओं के कल्याण के लिए संचालित योजनाओं व महिला उत्पीड़न/सुरक्षा संबंधी प्रकरणों पर समीक्षा बैठक करते हुए महिला जन सुनवाई करेंगी। अतः इच्छुक महिलाएं अपनी समस्याओं का निस्तारण कराने के उद्देश्य से आयोजित होने वाली महिला जनसुनवाई में शिकायती प्रार्थना पत्र के साथ उपस्थित होकर अपनी समस्या का निस्तारण करा सकती है।

अनुसूचित जाति के लोग नगरीय क्षेत्र दुकान निर्माण योजना का लाभ उठाने के लिए 25 मई तक करे आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास)/जिला प्रबंधक उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं विकास निगम लिमिटेड संजय कुमार व्यास ने अनुसूचित जाति के व्यक्तियों/परिवारों का आह्वान करते हुए जानकारी दी है कि उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियों/परिवार को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से नगरीय क्षेत्र दुकान निर्माण योजना संचालित की जा रही है। उन्होंने योजना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि उक्त योजना का लाभ ऐसे व्यक्तियों को दिया जाएगा, जिनकी ग्रामीण क्षेत्र की वार्षिक आय 46080 रुपए एवं नगरीय क्षेत्र में वार्षिक आय 56460 रुपए से कम हो। उन्होंने बताया कि उक्त योजना के तहत अनुसूचित जाति के पात्र व्यक्ति, जिनके पास शहरी क्षेत्र में 13.32 वर्गमीटर व्यवसायिक स्थल पर भूमि उपलब्ध है, उन्हें स्वयं दुकान निर्माण कराने के लिए दो किस्तों 58500 व 19500 कुल 78000 हजार रूपये उनके खाते में भुगतान कर दुकान का निर्माण कराया जाता है, जिसमें 10 हजार रूपये अनुदान एवं 68000 हजार रूपये बिना ब्याज का ऋण होता है, जिसकी अदायगी 120 मासिक किस्तों में करनी होती है। इसमें तहसील द्वारा निर्गत आय, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड तथा भूमि का प्रपत्र एवं तहसील द्वारा प्राप्त जमीन का नजरी नक्शा आवेदन पत्र के साथ एवं आवेदन करने के लिए आधार कार्ड, पहचान पत्र, दो फोटो तथा तहसील स्तर से प्राप्त आय, निवास एवं जाति प्रमाण पत्र आदि संलग्न करने आवश्यक है। उन्होंने बताया कि नगरीय क्षेत्र दुकान निर्माण योजना में आवेदन करने के लिए पहले 12 मई तिथि निर्धारित की गई थी, परंतु अभी तक निर्धारित पात्रता के अनुसार कोई आवेदन पत्र प्राप्त ना होने के कारण पुनः आवेदन पत्र आमंत्रित करने के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 25 मई तक किया गया है। नगरीय क्षेत्र दुकान निर्माण योजना का लाभ उठाने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के इच्छुक पात्र व्यक्ति अपने विकासखंड में कार्यरत सहायक विकास अधिकारी(स.क.)/ग्राम विकास अधिकारी अथवा खंड विकास अधिकारी से एवं नगरीय क्षेत्र के पात्र व्यक्ति जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास)/जिला प्रबंधक उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड कमरा नंबर 118 विकास भवन सूरजपुर गौतम बुद्ध नगर कार्यालय में सहायक प्रबंधक कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर आगामी 25 मई तक योजना में आवेदन कर सकते हैं।

कृतिका सेंगर और निकितन धीर ने अपनी नन्ही परी का रखा ये नाम, लोगों ने कहा- झांसी की रानी का स्वागत है

नई दिल्ली। चेनई एक्सप्रेस एक्टर निकितन धीर और कसम तेरे प्यार की एक्ट्रेस कृतिका सेंगर हाल ही में माता-पिता बने हैं। ये दोनों टीवी के लोकप्रिय कपल हैं। दोनों की जोड़ी को उनके फैंस खूब प्यार देते हैं। हाल ही में कृतिका सेंगर ने 12 मई 2022 को बेबी गर्ल को जन्म दिया और अब खुद निकितन धीर ने सोशल मीडिया पर बेटी के आने की खुशी फैंस के साथ शेयर करते हुए अपनी बेटी के नाम की घोषणा की। निकितन धीर ने एक बहुत ही प्यारा सा पोस्ट अपने इंस्टाग्राम पर डाला, जिसमें उन्होंने अपनी बेटी का नाम बताया। निकितन धीर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक कलरफुल इन्द्रधनुष पोस्ट किया, जिसमे ग्रीन, येलो, पिंक सहित कई अलग-अलग कलर्स नजर आ रहे हैं। इन्द्रधनुष पर तारे बने हुए हैं और वह बादलों ने उसे संभाला हुआ है। अपने इस पोस्ट ने थंगाबली निकितन धीर ने अपनी न्यू बॉर्न बेबी की जन्म की तारीख और उसके नाम का भी जिक्र किया। निकितन धीर और कृतिका सगर ने अपनी नन्ही परी का नाम 'देविका धीर' रखा है, इस पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा अब साहसिक कार्य शुरू होता है। इस पोस्ट को शेयर करते हुए कृतिका

सेंगर ने कैप्शन में लिखा, 'हम अपनी बेटी के आगमन को आप सभी के साथ शेयर करके बहुत ही धन्य महसूस कर रहे हैं। धीर्स, हर-हर महादेव'। कृतिका सेंगर के पोस्ट को और उनकी नन्ही परी पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कुछ लोग तो उन्हें नन्ही झांसी की रानी बता रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'आप दोनों को बहुत-बहुत बधाई और इस दुनिया में छोटी सी झांसी की रानी का स्वागत है'। तो वही दूसरे यूजर ने लिखा, 'देविका धीर फ्यूचर स्टार हैं'। अन्य यूजर ने लिखा, 'आप दोनों सबसे अच्छे माता-पिता बनेंगे। आपको बता दें कि कृतिका सेंगर ने शो झांसी की रानी में काम किया था, इस शो ने उन्हें दर्शकों का पसंदीदा बना दिया था। निकितन धीर और कृतिका सेंगर टीवी के सबसे क्यूट कपल्स में से एक हैं और दोनों के फैंस उन्हें बहुत ही चाहते हैं। निकितन धीर और कृतिका सेंगर की शादी 3 नवंबर 2014 में हुई थी और शादी के 7 साल बाद एक्ट्रेस ने बेटी को जन्म दिया। कृतिका सेंगर ने बीते साल नवंबर में अपने फैंस के साथ इस खुशी को शेयर किया था। एक्ट्रेस ने निकितन धीर के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें अभिनेत्री का बेबी बंप नजर आ रहा था। कृतिका सेंगर के शोज की बात करें तो एक्ट्रेस को पुनर्विवाह, झांसी की रानी और कसम तेरे प्यार की जैसे शोज के लिए दर्शकों का खूब प्यार मिला।

इस एक्ट्रेस ने पार की बोल्डनेस की सारी हदें, जालीदार ब्रालेट पहन शीशे के सामने दिया बोड पोज, लागों ने कहा, 'हे भगवान'

नई दिल्ली। छोटे पर्दे का फेमस कॉमेडी शो 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की फैन फॉलोइंग दिन ब दिन बढ़ती ही जा रही हैं। ये शो बीते 14 सालों से दर्शकों को बराबर मनोरंजन कर रहा है। शो का हर

किरदार सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहता है। लेकिन शो का एक ऐसा भी कैरेक्टर है जो अपनी एक्टिंग के साथ अपनी बोल्डनेस की वजह से सुखिर्यों में रहती है। अगर आप सोच रहे हैं कि वो किरदार 'बबीता जी' यानी मुनमुन दत्ता है तो आप पूरी तरह से गलत हैं। ये कोई और नहीं बल्कि शो में 'दीप्ति' का रोल प्ले करने वाली एक्ट्रेस आराधना शर्मा हैं। आराधना एक्टिंग के साथ सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। वह अक्सर ही अपनी बोल्ड और हॉट तस्वीरें पोस्ट कर फैंस को सरप्राइज देते ही हैं। लेकिन इसी बीच उनकी कुछ बोल्ड तस्वीरें इंटरनेट पर आग लगा रही हैं। यहां देखें तस्वीरें 'दीप्ति' यानी एक्ट्रेस आराधना शर्मा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी लेटेस्ट बोल्ड तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में आराधना ?ने ब्लैक जालीदार ब्रालेट पहन मिरर के सामने पोज दे?ती दिख रही है। ब्रालेट के साथ आराधना ने पर्पल कलर के शॉट्स पहने हैं। वहीं उनके बाल ओपन है। इस दौरान एक्ट्रेस बेहद ही बोल्ड और सीजलिंग अदाओं में शीशी के सामने खड़ी होकर पोज दे रही हैं। इन तस्वीरों को फैंस को काफी पसंद कर रहे हैं। आराधना की ये तस्वीरें इंटरनेट पर आग लगा रही हैं। इस पर कमेंट कर लगातार यूजर्स आराधना की बोल्डनेस की तारीफ करते नजर आ रहे हैं।फोटोज पर कमेंट कर यूजर्स लगातार उन्हें हॉट, ब्यूटीफुल, ग्लैमरस जैसे कमेंट की अपने रिएक्शन दे रहे हैं आपको बात दें कि आराधना शर्मा हमेश ही अपनी सुंदरता और कॉमेडी के चलते सुखिर्यों में नहीं रहती हैं। अराधना 'स्पिलिट्सविला 12' की एक्स कंटेस्टेंट भी रह चुकी हैं। वह एक्टिंग के अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है। एक्ट्रेस अक्सर ही अपनी लेटेस्ट तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर फैंस के बीच पोस्ट करती रहती हैं। उनकी हर तस्वीर इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा देती है। इंस्टाग्राम पर आराधना शर्मा की अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। वह अपनी हॉट तस्वीरों के साथ ही अपने डांस वीडियोज पोस्ट करती रहती हैं जिसे उनके फैंस काफी पसंद करते हैं।

सुरभि चंदना और अर्जुन बिजलानी को शादी में ज्यादा खाना पड़ा भारी

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस सुरभि चंदना अपने शोज के अलावा रियल लाइफ में भी काफी एंटरटेनिंग इंसान हैं और अक्सर हंसी मजाक करती रहती हैं। जिसकी झलक सुरभि सोशल मीडिया पर अक्सर अपने मजेदार वीडियो शेयर कर दिखाती है। हाल ही में एक्ट्रेस ने ऐसा ही

एक और वीडियो शेयर किया है। जिसमें वह अभिनेता अर्जुन बिजलानी के साथ जमकर खाना खाते हुए नजर आ रही हैं। सुरभि चंदना ने इस बार अपनी बेहद खास और मजेदार तस्वीरें शेयर की हैं। जिसे लेकर वह सुखिर्यों में आ गई है और लगातार ट्रेंड कर रही है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें साझा की है। पहली तस्वीर में वे और अर्जुन दुल्हा व दुल्हन के गेटअप में नजर आ रहे हैं। दोनों बेड पर बैठे हैं और जमकर खाना खाते हुए दिख रहे हैं। वही अगली फोटो में दोनों ज्यादा खाने से परेशान होकर बिस्तर पर पड़े हुए दिखे रहे हैं। सुरभि के हाव भाव से तो लग रहा है कि उन्होंने अर्जुन से भी ज्यादा खाया है और अब परेशान होकर बिस्तर पर निढाल लेटी हुई है। इन फोटोज को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने काफी दिलचस्प कैप्शन भी दिया है, जिसमें सुरभि ने बताया है कि उन्होंने और अर्जुन बिजलानी ने ज्यादा खाना खा लिया है। पोस्ट के साथ उन्होंने लिखा, 'दुल्हा-दुल्हन जिन्होंने अपनी ही शादी में हद से ज्यादा खाना खा लिया ! आगे क्या हुआ, जानने के लिए स्वाइप करें। इसके लिए इंतजार नहीं कर सकती क्योंकि यह बहुत खास होने होने वाला है। सुरभि चंदना और अर्जुन बिजलानी की इन तस्वीरों को देखकर ऐसा लग रहा है कि यह उनके किसी नए शो की है। जिसे लेकर अभी तक कोई जानकारी मीडिया में नहीं दी गई है। इस पोस्ट के साथ सुरभि ने इतना तो बता दिया है कि अपने इस अपकमिंग शो में वह अर्जुन बिजलानी की पतने के रूप में नजर आने वाली हैं।

उर्फी जावेद से भी ज्यादा बोल्ड और फेमस सोफिया का अकाउंट हुआ ब्लॉक बनाया नया अकाउंट

नई दिल्ली। सोफिया अंसारी इंटरनेट पर काफी लोकप्रिय थीत् उनके इंस्टाग्राम पर 98 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स थेत् हालांकि अब उनका आधिकारिक अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया हैत् सोफिया अंसारी इंस्टाग्राम पर इमेज के लिए जानी जाती हैत् वह इंस्टाग्राम पर अक्सर हॉट और बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर करती थीत् जानकारों का मानना है कि उनके बोल्ड वीडियो के कारण इंस्टाग्राम के कम्युनिटी की गाइडलाइंस का उल्लंघन हुआ हैत्

काफी फेमस थीत् वह अक्सर बोल्ड और हॉट कंटेंट बनाती थीत् माना जा रहा है कि इसी के चलते उनका अकाउंट सस्पेंड किया गया हैत् हालांकि अभी तक इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई हैत् इसके चलते फैंस अभी भी सोच रहे हैं कि उनका अकाउंट सस्पेंड क्यों किया गया है सोफिया अंसारी अपनी बोल्ड इसके चलते उनका अकाउंट सस्पेंड कर दिया गया है सोफिया अंसारी का अकाउंट सस्पेंड होने के बाद इंटरनेट पर मीम्स की बाढ़ आ गई हैत् कई लोगों ने इस निणय्य को दुख भरा बताया हैत् वहीं कई लोग इसपर मजेदार कांटेक्ट बना रहे हैंत् गौरतलब है कि सोफिया अंसारी का ट्विटर अकाउंट चल रहा है।

भोजपुरी एक्ट्रेस मोनालिसा कैमरे के सामने हुईं बोल्ड, व्हाइट ब्रालेट पहन कराया बेहद बोल्ड फोटोशूट

नई दिल्ली। भोजपुरी सिनेमा से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाली एक्ट्रेस मोनालिसा आज एक फेमस चेहरा हैं। मोनालिसा ने भोजपुरी मूवीज के अलावा टीवी शोज और 'बिग बॉस' का भी हिस्सा रहीं थीं। एक्टिंग के साथ मोनालिसा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन वह अपने हॉट एंड बोल्ड फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के साथ शेयर कर फैंस की धड़कनें बढ़ाती हैं। इसी बीच मोनालिसा का लेटेस्ट फोटोशूट चर्चा में बना हुआ है। यहां देखें तस्वीरे मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम पर अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों पर हमेशा ही तरह ही फैंस की नजर ठहर गई हैं। तस्वीरों में मोनालिसा का बोल्ड अवतार फैंस को क्रेजी बना रहा है। फोटोज में आप देख सकते हैं कि

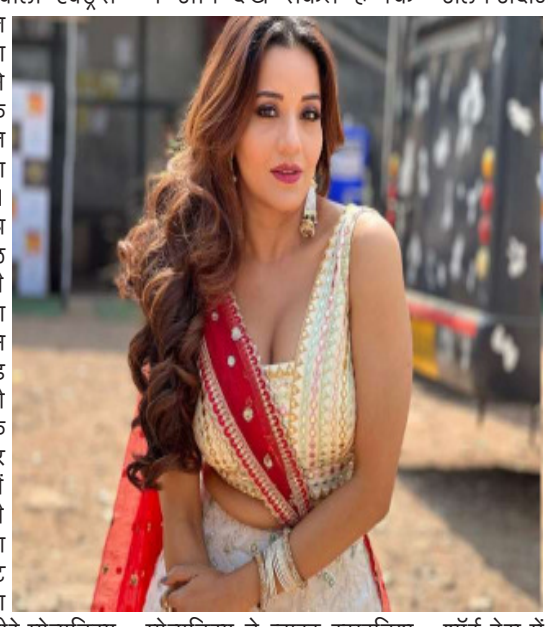

मोनालिसा ने व्हाइट स्टाइलिश ब्रालेट और फैंदर शॉर्ट्स में फोटोशूट कराया है। इस दौरान उनके हेयरस्टाइल की बात करें तो एक्ट्रेस ने हाई पोनी की हुई है। वहीं उनका सटल मेकअप उनपर काफी सूट कर रहा है। फोटोशूट में मोना का अलग-अलग अंदाज में पोज देती दिख रही हैं। इन तस्वीरों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं इस पर लगातार फैंस के कमेंट्स आ रहे हैं। फैंस उन्हें हॉट, ब्यूटीफुल, ग्लैमरस जैसे कमेंट कर उनकी तारीफ कर रहे हैं। मोनालिसा ने हाल ही में अपने एक और फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की थी। इन तस्वीरों में वह हमेशा की तरह ही बला की खूबसूरत दिख रही थीं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि मोनालिसा ग्रीन कलर पोल्का डॉट शॉर्ट ड्रेस में बेहद ही हॉट दिख रही हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि मोनालिसा की ये ड्रेस बेहद ही डीप नेक है। वहीं इस ड्रेस की बैक डिजाइन भी काफी हॉट लग रही है। बता दें कि मोनालिसा और विक्रांत के अलावा रियलिटी शो 'स्मार्ट जोड़ी' में भाग्य श्री और हिमालय, अंकिता लोखंडे और विक्की जैन, अर्जुन बिजलानी और उनकी पतने नेहा स्वामी, गुम है किसी के प्यार में फेम नील भट्ट और ऐश्वर्या शर्मा और भारतीय टीम के तेज गेंदबाज रहे क्रिकेटर क्रिस श्रीकांत (कृष्णम्माचारी श्रीकांत) अपनी वाइफ विद्या के साथ नजर आ रहे हैं।

देहाती डिस्को गाने पर लचकाई कमर, 'बोल्ड' वीडियो देख ट्रोलर्स ने कहा, 'कौन सी बीमारी है इसको'

नई दिल्ली। उर्फी जावेद ने इंस्टाग्राम पर एक बोल्ड वीडियो शेयर किया हैत् इसमें उन्हें गणेश आचार्य के हाल ही में रिलीज हुए गाने 'देहाती डिस्को' पर डांस करते हुए देखा जा सकता हैत् उर्फी जावेद ने वीडियो खबर लिखे जाने तक 20 घंटे पहले शेयर की हैत् इसे इंस्टाग्राम पर 57000 से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैंत् वहीं इस पर 1300 कमेंट किए जा चुके ने लिखा है, 'खंजर की जरूरत ही क्या, कत्ल करने के लिए तो आपकी अदाएं ही काफी हैत' वहीं एक अन्य ने लिखा है, 'सो क्यूट' वहीं कई लोगों ने वाह, अमेजिंग, नाइस, ऑलवेज माय फेवरेट उर्फी मैम, सो स्वीट ऑफ यू मैम जैसे कमेंट किए हैंत् वहीं कई लोगों ने उन्हें ट्रोल भी किया हैत् एक ट्रोलर ने लिखा है, 'कौन सा बीमारी है इसको' वहीं एक ने लिखा है, 'वाह क्या सीन हैत' हैत् उर्फी जावेद का बोल्ड अंदाज फैंस को काफी भाता हैत् उर्फी जावेद अपने स्टाइल स्टेटमेंट के लिए जानी जाती हैत् फैंस उनके स्टाइल स्टेटमेंट देखकर दीवाने हो जाते हैं उर्फी जावेद ने कई म्यूजिक वीडियो में भी काम किया हैत् गणेश आचार्य के गाने देहाती डिस्को में उर्फी जावेद चॉकलेटी रंग का क्रॉप टॉप और ब्लैक कलर की शर्ट पहनकर ठुमकती नजर आ

हैंत कई लोगों ने इस पर दिल और आग की इमोजी भी शेयर की है वहीं उर्फी जावेद की कई लोगों ने सराहना भी की हैत् कई लोगों ने उन्हें गाने पर डांस करने के लिए बधाई दी हैत् एक वहीं एक ने लिखा है, 'बंदर उर्फी जावेद बिग बॉस ओटीटी में नजर आ चुकी हैत् वह अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर करती हैं, जिन्हें काफी पसंद किया जाता रही हैत् उनके ठुमके काफी पसंद किए जा रहे हैंत् वीडियो शेयर करते हुए उर्फी जावेद ने लिखा है, 'देहाती डिस्को मुकाबला, देहाती डिस्को, देहाती डिस्को चैलेंज।'

मीका सिंह की शादी से पहले कपिल शर्मा को सता रही ये चिंता

नई दिल्ली। बॉलीवुड के फेमस सिंगर मीका सिंह जल्द ही शादी करने जा रहे हैं। लेकिन उनकी शादी बेहद ही दिलचस्प होने वाली हैं क्योंकि मीका स्वयंवर कर रहे हैं। मीका के लिए दुल्हनियां की तलाश जोधपुर में की जा रही है।

वहीं पर स्वयंवर में ही मीका के लिए वोटी फाइनल होने वाली है। मीका की शादी बेहद ही शाही अंदाज में की जाएगी। शादी में बस कमी थी तो बारातियों की। ऐसे में कपिल शर्मा ने बाराती की कमी भी पूरी कर दी है। कपिल शर्मा बराती बन मुंबई से जोधपुर रवाना हो चुके हैं। कपिल शर्मा ने खुद तस्वीरें शेयर कर इसकी जानकारी दी। लेकिन कपिल ने मीका की शादी को लेकर एक बड़ी चिंता जाहिर की है। कपिल ने बताया कि उन्हें किस बात का डर सता रहा है। कपिल शर्मा शनिवार को स्वयंवर अटेंड करने के लिए मुंबई से जोधपुर के लिए रवाना हुए। वहीं अपने प्राइवेट प्लेन में बैठने से पहले कपिल ने फोटो क्लिक कराई है जिसकी तस्वीर उन्होंने ने अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है। इस तस्वीर में कपिल मीका की शादी में शामिल होने को लेकर काफी खुश नजर आ रहे हैं। इस दौरान कपिल ब्लू प्रिंटेड शर्ट और व्हाइट पैंट में बेहद हैंडसम लग रहे हैं। कपिल शर्मा ने इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उस डर का खुलासा भी किया है जो मीका की शादी से जुड़ा है। कपिल ने फोटो के साथ मजेदार कैप्शन शेयर करते हुए लिखा, 'भाई मीका पाजी का स्वयंवर अटेंड करने जोधपुर जा रहा हूं। खर्चा काफी हो गया है। डर इस बात का है कहीं दूल्हा ना मुकर जाए।' फैंस कपिल के इस कैप्शन से काफी खुश नजर आ रहे हैं। वहीं इस पोस्ट पर फैंस के जमकर रिएक्शन आ रहे हैं। आपको बता दें कि मीका दी वोटी एक रियलिटी शो है जिसमें मीका सिंह कुछ लड़कियों में से अपने लिए सुयोग्य कन्या चुनेंगे। वहीं ये टीवी शो जल्द ही प्रसारित किया जाएगा।

कांटा लगा' गर्ल शेफाली जरीवाला पति संग स्विमिंग पूल में हुई बोल्ड

नई दिल्ली। 'कांटा लगा' गर्ल के नाम से बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बनाने वाली एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला हमेशा ही खबरों में छाई रहती हैं। एक्टिंग के साथ शेफाली अपनी बोल्ड पर्सनेलिटी के चलते भी सुखिर्यों में बनीं रहती हैं। शेफाली सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर ही

अपनी हॉट एंड सीजलिंग तस्वीरें और वीडियोज फैंस के साथ शेयर करती रहती है। इसी बीच शेफाली जरीवाला का पति संग लेटेस्ट बोल्ड वीडियो इंस्टरनेट पर आग लगा रहा हैं। इस वीडियो ने फैंस के होश उड़ा दिए हैं। यहा देखें वीडियो शेफाली जरीवाला ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पति चिराग त्यागी संग अपना एक लेटेस्ट वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में शेफाली बिकिनी पहन पति संग पूल में सीजलिंग डांस करती दिख रही हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि शेफाली व्हाइट कलर की बिकिन पहन कर पूल में पति संग डांस डांस कर रही हैं। साथ ही शेफाली खुद इस वीडियो को शूट करती भी दिख रही हैं। वहीं पराग इस दौरान पूरी तरह से शर्टलेस नजर आ रहे हैं। शेफाली और पराग दोनों इस दोरान काफ खुश नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को शेफाली के फैंस काफी पंसद कर रहे हैं। वहीं इस पर कमेंट कर लगातार फैंस अपनी प्रतिक्रिया देते नजर आ रहे हैं। आपको बता दें कि इससे पहले भी कई बार शेफाली जरीवाला पति पराग त्यागी संग अपने हॉट वीडियो और तस्वीरें शेयर कर चुकी हैं। साथ ही फैंस भी दोनों की जोड़ी को काफी पसंद करते हैं। आपको बात दें कि इससे पहले शेफाली जरीवाला ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पूल में एन्जॉय करते हुए कई तस्वीरें शेयर की थीं। इन तस्वीरों में वह ब्लैक बिकिनी में नजर आ रही थीं। दरअसल, हाल ही में शेफाली पति पराग त्यागी संग क्वालिटी टाइम स्पेंड करने गोवा गईं थीं। शेफाली जरीवाला ने वहीं से ये खूबसूरत तस्वीरें शेयर की थीं, जहां वह पूल में खड़े होकर अलग-अलग पोज दे रही हैं और उन्होंने अपने बालों में बन बनाया हुआ है। उनकी ये तस्वीरें फैंस को खूब पसंद आ रही है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए शेफाली ने हैशटैग दिया क्षनेमंडेब्लूज'।

अनुपमा और अनुज कपाडिया की शादी की रस्में शुरू, हल्दी की तस्वीर शेयर कर लिख 'केसरिया मेरा रंग है पिया'

नई दिल्ली। रूपाली गांगुली शो अनुपमा में अनुपमा की भूमिका निभाती हैत् वहीं शो में अनुज कपाडिया की भूमिका में गौरव खनन नजर आते हैंत् दोनों की जोड़ी काफी पसंद की जाती हैत् अब शो में दोनों जल्द शादी करने वाले हैंत् इस बीच रूपाली गांगुली ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर शेयर की हैत् इसमें रूपाली गांगुली और गौरव खनन को अनुपमा के सेट पर साथ बैठकर पोज देते हुए देखा जा सकता हैत् खास बात यह है कि दोनों ने पीले रंग के कपड़े पहन रखे हैं और गाल पर हल्दी लगा रखी हैत्

दोनों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़ रखा है रूपाली गांगुली ने तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा है, 'केसरिया मेरा रंग है पिया, मान की हल्दीत इसके अलावा उन्होंने इसे कई लोगों को हैशटैग भी किया है रूपाली गांगुली ने खबरें लिखे जाने तक तस्वीर 5 घंटे पहले शेयर की है, जिसे एक लाख से ज्यादा लाइक्स मिल चुके हैंत् वहीं इस पर एक हजार के करीब कमेंट किए जा चुके हैंत् कई लोगों ने लिखा है, 'नजर ना लगे, आप दोनों बहुत खूबसूरत लग रहे होत' वहीं एक ने लिखा है, 'मान की शादीत' वहीं एक ने लिखा है, 'दोनों की हल्दी की तस्वीरें बहुत क्यूट हैंत' एक फैन ने लिखा है, 'लव यू मानत' एक ने लिखा है, 'हाय मानत' एक फैन ने लिखा है, 'कितने प्यारे लग रहे हो आप दोनोंत' वहीं कई लोगों ने अलग-अलग अंदाज में प्रतिक्रिया दी है गौरतलब है कि शो में एक नया ट्विस्ट आया थात् इसमें हंसमुख गिर पड़ते हैं और उनकी बिगड़ती तबीयत को देखकर अनुपमा अपनी शादी टालने का निर्णय लेती है लेकिन हंसमुख जिद करते है कि वह शादी के बाद ही अपनी सर्जरी करवाएंगे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र

(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेम्बली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी0सी0ए0), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, बेकिंग टेक्नोलॉजी, सी0एन0सी0 प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :- इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :- इस प्रक्रिया में प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय में सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए

visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुलसीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हुई स्कूल इंटरमीडियट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका है। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008- टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस. डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।